RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 202, शुक्रवार, 04 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

लोक अदालत का संदेश लेकर निकले 10 से अधिक प्रचार रथ, यातायात चालान में 50... 03

लायंस क्लब के सहयोग से मानव सेवा आश्रम के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं ... 04

तृषा कृष्णन ने पैनोरमा स्टूडियो से मिलाया हाथ मनोवैज्ञानिक हॉरर... 07

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

बालाकोट स्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे, अब उड़ाएंगे यात्री विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान ने एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होते। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। अभिनंदन वायुसेना में मिग-21 फाइटर उड़ाते थे।

27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी के एफ-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था। जेट से इजेक्ट होकर वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में उतरे थे। पीओके में पाकिस्तानी फौज ने उन्हें पकड़ लिया था। भारत के जबर्दस्त दबाव के चलते करीब 60 घंटे बाद, 1 मार्च 2019 को अटारी बॉर्डर के जरिए उनकी वापसी हुई थी। 2021 में उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

हल्द्वानी शुद्धिकरण पर खड़गे ने नड्डा को लिखा पत्र

कहा-24 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं

हल्द्वानी (एजेंसी)। हल्द्वानी शुद्धिकरण मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। खड़गे ने पत्र में कहा कि घटना के 24 दिन बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई है। खड़गे ने लिखा कि 8 अगस्त को हल्द्वानी में उनकी जनसभा के बाद रामलीला मैदान

के मंच का शुद्धिकरण कराया गया। उन्होंने नड्डा से कहा है कि वे राज्यसभा में दिए अपने आश्वासन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को निर्देशित करें और रामलीला मैदान में हुए शुद्धिकरण में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। खड़गे ने कहा कि ऐसे लोगों को सबक देना जरूरी है। उनके मुताबिक, इस मामले में उनका रोष केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है, जिससे समाज का एक बड़ा तबका प्रभावित होता है। नड्डा ने राज्यसभा में घटना की निंदा की थी।

कृष्ण जन्माष्टमी आज, धूमधाम से मनेगा जन्मोत्सव

● अष्टमी तिथि के साथ रोहणी नक्षत्र का रहेगा दुर्लभ संयोग ● 15 साल बाद रोहणी नक्षत्र में मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में कल 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इस बार 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अक्षत व्यास के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी तरह का संयोग बन रहा है। पंडित व्यास के मुताबिक कई बार जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि तो रहती है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बनता। इस बार दोनों एक ही दिन मिल रहे हैं। यही वजह है कि इस जन्माष्टमी को विशेष माना जा रहा है। रामानंदी संप्रदाय में जन्मोत्सव के लिए रोहिणी नक्षत्र को विशेष महत्व दिया जाता है। इस बार वैष्णव और रामानंदी समेत सभी प्रमुख संप्रदायों में 4 सितंबर को ही जन्माष्टमी मनाई जाएगी।

उज्जैन के मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन- जन्माष्टमी पर उज्जैन के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष सजावट, अभिषेक और पूजन-अर्चन किया जाएगा। भरतपुरी स्थित इस्कॉन मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। भगवान राधा मोहन का अभिषेक कर नए वस्त्र पहनाए जाएंगे। आभूषण और पुष्पमालाओं से श्रृंगार के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। सिंधिया ट्रस्ट के श्री द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में पंचामृत पूजन-अभिषेक के बाद दर्शन शुरू होंगे। विशेष श्रृंगार के साथ ढोली बुआ का कीर्तन होगा। मध्यरात्रि 12 बजे विशेष आरती की जाएगी। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम में भी विशेष पूजन और आरती होगी। यहां सुबह से रात तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। जन्माष्टमी पर आश्रम में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

● **मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र का संयोग-** ज्योतिषाचार्य के अनुसार जन्माष्टमी की अर्धरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं

भारत और बेल्जियम संबंधों पर खुलकर बोले प्रधानमंत्री मोदी

रक्षा से लेकर खाद्य और क्लीन एनर्जी क्षेत्रों पर भी रखी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों देशों के संबंधों के आधार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। ये जड़ें हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। दोनों की मौजूदगी में भारत और बेल्जियम के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हुआ, जो रक्षा से लेकर खाद्य, क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में किया गया। इस दौरान जोरावर टैंक से लेकर अमोनिया प्रोजेक्ट्स का भी जिक्र किया।

बेल्जियम पीएम का किया स्वागत

प्रधानमंत्री मोदी ने वेवर का स्वागत करते हुए कहा कि बेल्जियम पीएम की पहली भारत यात्रा पर उनका हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह उनकी पहली भारत यात्रा जरूर है, लेकिन भारत से उनका परिचय पुराना है। वे लंबे समय तक एन्टवर्प के मेयर रहे हैं और उन्होंने एन्टवर्प के बड़े भारतीय समुदाय और भारत-बेल्जियम हीरे का व्यापार को हमेशा समर्थन दिया है। भारत और बेल्जियम के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी है। पहले विश्व युद्ध में बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान हमारी साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। आज लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच आपसी गहरे संबंध हमें स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

भारत-बेल्जियम के संबंधों की जड़ें गहरी

विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को व्यापक करने की बात भी पीएम मोदी ने की। उन्होंने कहा कि आज विश्व एक बड़े उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। खाद्य, ईंधन या आपूर्ति श्रृंखला, हर क्षेत्र में अनिश्चितता का प्रभाव पड़ रहा है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है। पिछले क्वार्टर में हमने 7.8 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। आज भारत की विकास की कहानी दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एफटीए का जिक्र भी किया। पीएम मोदी कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में हमने ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया। विश्व की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियों के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को नई मजबूती देगा। भारत की निरंतर आर्थिक प्रगति और इस एग्रीमेंट ने हमारे आर्थिक संबंधों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। आज हमने इन संभावनाओं को ठोस परिणामों में बदलने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

एच-1बी वीजा पर भारतीय प्रोफेशनल के लिए नया संकट

नौकरी गई तो 60 दिन की मोहलत भी खत्म हो सकती है, अमेरिका छोड़ना पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय प्रोफेशनल्स की लाइफलाइन माने जाने वाले एच-1 बी वीजा पर नया संकट मंडरा रहा है। अमेरिका में चल रही छंटनी के बीच इस साल की पहली छमाही में करीब 10 हजार भारतीय प्रोफेशनल्स को नौकरी

जाने के बाद अमेरिका छोड़कर भारत लौटना पड़ा। इन्हें 60 दिन के ग्रेस पीरियड में नई नौकरी नहीं मिल पाई।

अमेरिकी सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेस के इस साल की पहली छमाही के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। इसकी तुलना में पूरे 2025 में करीब 5,100 भारतीय प्रोफेशनल्स को अमेरिका छोड़ना पड़ा था।

नौकरी जाने पर अभी 60 दिन का समय

एच-1बी वीजा पर काम कर रहे किसी प्रोफेशनल की नौकरी चली जाती है तो मौजूदा नियमों के तहत उसे अधिकतम 60 दिन का ग्रेस पीरियड मिलता है। इस दौरान वह नया एम्प्लॉयर तलाश सकता है और अपना एच-1बी स्टेटस बनाए रखने की कोशिश कर सकता है। अगर इस अवधि में नई नौकरी नहीं मिलती तो उसे अमेरिका में रहने का वैध आधार खत्म होने से पहले देश छोड़ना पड़ सकता है। तय अवधि खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुके रहना ओवरस्टे माना जा सकता है। ऐसे मामले में इमिग्रेशन अधिकारियों की कार्रवाई हो सकती है। इसमें रिमूवल प्रोसीडिंग्स यानी निकाले जाने की कार्रवाई होगी।

बिहार में खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर बह रही गंगा

● 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा ● हिमाचल में 175 सड़कें बंद, एमपी के कई जिले चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर

से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन बंद है।

बाढ़ की चपेट में बिहार के 13 जिले, 8 नदियां उफनाईं

बिहार के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 8 नदियां उफान पर हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन पर घुटनों तक गंगा का पानी पहुंच गया है। सोन नदी पर स्थित रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज से सोन नदी में 6 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका है।

आतंकियों के रडार पर 7 हजार कश्मीरी पंडित!

लश्कर के प्रॉक्सी ने लीक कर दी निजी जानकारी

सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट, सुरक्षा की है चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को लेकर आतंकी धमकी सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल लश्कर-ए-तैयबा के ऑनलाइन प्रॉक्सी फ्रंट यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल की ओर से जारी ताजा धमकी के बाद घाटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष पैकेज के तहत तैनात 7 हजार से अधिक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, खतरे की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि धमकी के साथ कुछ कर्मचारियों की निजी जानकारी भी सार्वजनिक की गई है। इसमें उनके नाम, घर के पते और गाड़ियों के नंबर शामिल हैं। इससे कर्मचारियों में डर का माहौल है और उनकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

धमकियों के पीछे बड़ी साजिश की आशंका

सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यूएलसी और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जैसे प्रॉक्सी ग्रुप्स की ओर से सार्वजनिक रूप से दी गई ऑनलाइन धमकियां, एक सोची-समझी मनोवैज्ञानिक युद्ध की रणनीति का हिस्सा हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की आईएसआई इन धमकियों के जरिए सुरक्षा बलों का ध्यान कर्मचारियों की सुरक्षा पर लगाने की कोशिश की जा रही है, ताकि आतंकी अपने दूसरे नेटवर्क को सक्रिय कर सकें। इस टेक्निक का इस्तेमाल आतंकी अपने दूसरे नेटवर्क को खड़ा करने के लिए करते हैं।

स्थानीय नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश

रिपोर्ट के मुताबिक, ध्यान भटकाने की यह चाल इसलिए अपनाई गई है ताकि लाइन ऑफ कंट्रोल के पास बने लॉन्चपैड पर मौजूद लगभग 1000 आतंकियों की गतिविधियों को छिपाया जा सके।

एयरफोर्स ने किया लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का सफल टेस्ट

300 किलो वजन, मिग और मिराज एयरक्राफ्ट से दागे जाएंगे ये बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरफोर्स ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम खगांतक-243 का सफल ड्रॉप टेस्ट किया है। इससे भारत की स्वदेशी हमला करने की क्षमता बढ़ेगी। इसमें 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया है। यह बम 144 से 180 किलोमीटर की रेंज तक हमला कर सकता है। इसकी मदद से लड़ाकू विमान दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम की सीमा में गए बिना दूर के लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इसे मिग-29के और मिराज-2000 लड़ाकू विमानों में भी शामिल करने की योजना है। खगांतक-243 को नागपुर की स्टार्टअप कंपनी जेएसआर डायनेमिक्स ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर बनाया है। इंडियन एयरफोर्स ने इसका पहला टेस्ट पोखरण में सुखोई एसयू-30 एमकेआई से किया था। ग्लाइड बम में क्रूज मिसाइल की तरह अपना इंजन नहीं होता।

पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं

तलाक केस में मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी, गुजारा भत्ता देने के निर्देश

कहा-'वोडाफोन डॉग' की तरह पीछे चलने की उम्मीद नहीं कर सकते

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है। यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था। दोनों की शादी 34 साल पहले, सितंबर 1992 में हुई थी। कपल के चार बच्चे भी हैं। अभी पति की उम्र 67 साल है। हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच काफी कड़वाहट है और दोबारा साथ आने की कोई संभावना नहीं बची है। इसके बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए तलाक मंजूर कर लिया। हालांकि कोर्ट ने पति को पत्नी को 7 लाख गुजारा भत्ता देने का भी आदेश दिया। पति ने अपनी तलाक याचिका में बताया था कि वह नौकरी के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से मुंबई चला गया था, लेकिन पत्नी उसके साथ नहीं गई। 2014 में पति ने शिवगंगा के फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की। उसने पत्नी पर दूसरे व्यक्ति के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया। सितंबर 2021 में फैमिली कोर्ट ने पति की तलाक याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि पति खुद नौकरी के लिए मुंबई गया और पत्नी को साथ नहीं ले गया।

संक्षिप्त समाचार

बाल विवाह के खिलाफ बच्चियों का सामूहिक संकल्प, वैशाली में शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील

हाजीपुर। हाजीपुर/महुआ में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान वैशाली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महुआ में हुआ। इसे स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. रामबालक राय ने की, जबकि अधिकार मित्र संतोष कुमार ने इसका संचालन किया। अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के कारण, इसके बुरे असर और इससे जुड़े कानूनों के बारे में बताया गया। संस्थान के सचिव और परियोजना निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा के बिना समाज आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने लड़कियों से पढ़ाई को सबसे पहले रखने और बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने को कहा। अधिकार मित्र संतोष कुमार ने बाल विवाह से जुड़े कानून और इसकी जानकारी अधिकारियों तक कैसे पहुंचाई जाए, इस बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि बाल विवाह बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य के मौकों पर बुरा असर डालता है। कार्यक्रम के आखिर में सभी छात्र-छात्राओं ने मिलकर शपथ ली। उन्होंने संकल्प लिया कि वे खुद बाल विवाह नहीं करेंगे, इसके खिलाफ जागरूक रहेंगे और अपने आसपास होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए आवाज उठाएंगे। इस मौके पर पीएलवी पंकज कुमार, शिक्षक संजय कुमार राय, चिरंजीव कुमार, राजू कुमार, केदार राय, सुषमा रानी, प्रिंस कुमार, वीणा द्विवेदी, अमन कुमार, साधना कुमारी और स्कूल के छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

ट्रेन की चेन खींचने वालों पर रेलवे की कार्रवाई, सोनपुर में 123 मामले दर्ज, 119 गिरफ्तार, 55,550 जुर्माना वसूला

हाजीपुर। हाजीपुर/सोनपुर। सोनपुर मंडल ने अगस्त महीने में ट्रेनों में बिना वजह अलार्म चेन पुलिंग (ACP) कर ट्रेन रोकने वालों के खिलाफ एक खास अभियान चलाया। 1 से 31 अगस्त 2026 तक चले इस अभियान के दौरान मंडल के अलग-अलग स्टेशनों और रेलवे सेक्शन में कार्रवाई की गई। रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत कुल 123 मामले दर्ज हुए, जिनमें 119 लोगों को गिरफ्तार किया गया। दोषियों से 55,550 का जुर्माना भी वसूला गया। रेलवे के मुताबिक, बिना इजाजत अलार्म चेन खींचने से ट्रेनों

के चलने पर असर पड़ता है और यात्रियों को बेवजह परेशानी होती है। कई बार चेन पुलिंग की वजह से ट्रेनें देरी से चलती हैं, जिसका असर आगे की ट्रेनों के संचालन पर भी होता है। इसी को देखते हुए सोनपुर मंडल में लगातार जांच और निगरानी बढ़ाई गई है। मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के निर्देश पर रेल सुरक्षा बल (RPF), वाणिज्य विभाग और परिचालन विभाग मिलकर यह अभियान चला रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों को सही से चलाने के लिए ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं। बिना सही वजह ACP के मामलों में लगातार कार्रवाई हो रही है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे सिर्फ असली इमरजेंसी में ही अलार्म चेन का इस्तेमाल करें। बिना सही वजह चेन खींचना रेलवे के नियमों को तोड़ना है और ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। सोनपुर मंडल प्रशासन ने साफ किया है कि रेलवे में अनुशासन बनाए रखने और यात्रियों की सुरक्षित व समय पर यात्रा कराने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जंगल में फेंका मिली शराब, ग्रामीणों ने कार्टून उठाए, बेढ़ना में 4 लोगों की मौत के बाद पुलिस की सख्ती बढ़ी

हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र के मटियारा गांव में सड़क किनारे जंगल से शराब से जुड़े सामान का बड़ा जखीरा मिलने के बाद हड़कंप मच गया। दर्जनों बोरियों में शराब से भरे कार्टून, बोतलों पर चिपकाने वाले स्टीकर, ढक्कन और अन्य पैकिंग सामग्री फेंकी हुई मिली। मामला बाढ़ के बेढ़ना गांव में संदिग्ध शराब पीने से चार लोगों की मौत के बाद सामने आया है। घटना के बाद पुलिस की सख्ती बढ़ने के बीच मटियारा में शराब से जुड़ी सामग्री मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। सामान मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि कुछ लोग वहां से शराब के कार्टून उठाकर ले गए। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि पुलिस की कार्रवाई के डर से शराब कारोबारियों ने सामान सुनसान जगह पर फेंका होगा। सूचना मिलते ही सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि सामान यहां किसने और कब फेंका। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही बरामद सामग्री के स्रोत और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

यूट्यूबर की पिटाई मामले में पुलिस पर कार्रवाई, थानाध्यक्ष समेत 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड, तेजस्वी यादव ने उठाया था मामला

हाजीपुर। वैशाली के हर्लोचनपुर थाना क्षेत्र में यूट्यूबर की पिटाई के मामले में पुलिस विभाग ने कार्रवाई की है। थाना कांड संख्या 23/2026 की जांच में प्रक्रियागत कमियां मिलने के बाद थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस अधिकारियों को तुरंत निलंबित कर दिया गया है। इस मामले को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी जोरदार तरीके से उठाया था और आंदोलन की चेतावनी दी थी। वैशाली के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, 30 अगस्त 2026 को दर्ज कांड संख्या 23/2026 की जांच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, महुआ ने की थी। जांच में पता चला कि जांच प्रक्रिया और केस डायरी लिखने में गंभीर गलतियां हुई थीं। जांच रिपोर्ट के आधार पर हर्लोचनपुर थाना के थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक राकेश कुमार यादव, पुलिस अवर निरीक्षक इंद्रजीत कुमार और जांचकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक सुमन झा को तुरंत निलंबित कर दिया गया। निलंबन के बाद तीनों पुलिस अधिकारियों को हाजीपुर के पुलिस केंद्र में लाइन हाजिर होने का आदेश दिया गया है। पुलिस विभाग ने हर्लोचनपुर थाना के नए थानाध्यक्ष की भी तैनाती कर दी है। पुलिस अवर निरीक्षक सुबोध कुमार को हर्लोचनपुर थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई से थाना स्तर पर जांच में लापरवाही और प्रक्रियागत गलतियों को लेकर सख्ती का संदेश दिया गया है। तेजस्वी यादव द्वारा इस मामले को सवाल उठाए जाने और कार्रवाई की मांग के बाद पुलिस विभाग की यह कार्रवाई हुई है।

गंगा का जलस्तर बढ़ा, एसडीआरएफ अलर्ट, महावीर-भद्र घाट पर बैरिकेडिंग, 10 नावें-छह गोताखोर तैनात

पुनपुन प्रखंड के कई गांवों में घुसा पानी

एजेंसी, पटना

बिहार में लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव से पटना सिटी के तटीय घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुनपुन प्रखंड के जैतीपुर, शेखपुरा, मोहनपुर, नियमित चक, लखनपुर गांव में पुनपुन नदी के जलस्तर बढ़ने से पानी गांव में घुसने से लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय विधायक श्याम रजक ने इन इलाकों में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद बताया कि वहां पथ निर्माण विभाग, बाढ़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सहित सभी विभागों को सर्तक कर दिया गया है। वहीं, भद्र घाट और महावीर घाट पर पानी खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुंच गया है। इससे तटवर्ती इलाकों में पानी भर गया है। कंगन घाट पर पानी का स्तर अभी थोड़ा कम है, लेकिन वहां भी प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन अलर्ट पर है। श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंगा घाटों पर

कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

जोखिम वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाई गईः जलस्तर बढ़ने को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन ने घाटों के जोखिम वाले स्थानों को चिह्नित किया है। वहां बांस की बैरिकेडिंग लगाई गई है। प्रतिबंधित और खतरनाक क्षेत्रों में लोगों के जाने पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी को भी बैरिकेडिंग पार करने की अनुमति नहीं होगी।

SDRF की 10 नावें, 28 जवान और 6 गोताखोर तैनातः पटना सिटी की अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) कशिश बख्शी ने बाढ़ और जलस्तर बढ़ने से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

पटना सिटी SDO कशिश बख्शी ने बताया, 'आपात स्थिति से निपटने के लिए तटीय इलाकों में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इसके अवाला भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय पुलिस थानों और सुरक्षा बलों को भी सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।

श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपीलः प्रशासन ने आम लोगों और श्रद्धालुओं से गंगा के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि वे बैरिकेडिंग वाले प्रतिबंधित क्षेत्रों में जाने या नदी के किनारे जोखिम लेने से बचें। प्रशासन का फोकस जलस्तर बढ़ने के बीच घाटों पर भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी हादसे की स्थिति में तत्काल बचाव कार्रवाई सुनिश्चित करने पर है।

दानापुर दियारा में बिगड़े बाढ़ के हालात, 7 पंचायतें डूबीं, गंगा नदी का पानी घरों में घुसा

एजेंसी, पटना

3 लाख आबादी प्रभावित; राहत शिविर जा रहे लोग

पटना के दानापुर में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से दियारा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। गुरुवार सुबह देवनाला पुल पर गंगा का जलस्तर 170.50 फुट रिकॉर्ड किया गया। फिलहाल जलस्तर स्थिर है, लेकिन यह खतरे के निशान से करीब साढ़े तीन से चार फुट ऊपर बह रहा है। सात पंचायतों में सड़क से लेकर खेत और घरों तक बाढ़ का पानी फैल गया है। करीब तीन लाख की आबादी प्रभावित बताई जा रही है।

सात पंचायतों में सड़क से घर तक पानीः गंगहरा, हेतनपुर, कासिमचक, पुरानी पानापुर, पतलापुर, मानस और अकिलपुर पंचायतों में बाढ़ का पानी फैल गया है। कई जगहों पर तीन से चार फुट तक पानी बह रहा है। निचले इलाकों में घरों के अंदर डेढ़ से दो फुट तक पानी पहुंच गया है। पानी के रिसाव से दानापुर के शहरी और सेना क्षेत्र में भी नालों के जरिए बाढ़ का पानी घुसने लगा है। वहीं, सैकड़ों एकड़ में लगी मकई और हरी सब्जियों की

फसल पानी में डूब गई है।

सुरक्षित स्थानों और राहत शिविर में पहुंचे लोगः कासिमचक पंचायत समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोग सुरक्षित जगहों की ओर जाने लगे हैं। कई परिवार बलदेव स्कूल स्थित बाढ़ राहत शिविर में शरण लिए हुए हैं। पशुपालक अपने मवेशियों के साथ शिविर पहुंच रहे हैं। हालांकि, राहत शिविर में पहुंचने के बाद भी लोगों की परेशानी कम नहीं हुई है। अभी तक सामुदायिक किचन में बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन शुरू नहीं हो सका है।

छह पंचायतों में बिजली बंद, पेयजल पर भी असरः बाढ़ के खतरे को देखते हुए बिजली विभाग ने बुधवार सुबह से दियारा क्षेत्र की छह पंचायतों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। इससे पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। बिजली बंद होने के कारण सातों पंचायतों में अंधेरा छाया हुआ है।

छह पंचायतों में 12 नावें चल रहीं, मेडिकल टीम के लिए भी नावः एसडीओ वीरूपाक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि प्रशासन संभावित बाढ़ को लेकर पूरी तरह तैयार है। छह पंचायतों में सरकारी स्तर पर 12 नावें चलाई जा रही हैं। मेडिकल टीम के लिए भी एक नाव चलाने का निर्देश दिया गया है। जरूरत पड़ने पर एसडीआरएफ की टीम को बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि गंगा के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। निचले और नदी किनारे के इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया है और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है।

शेयर-गोल्ड में निवेश के नाम पर 50 लाख ठगे

एजेंसी, पटना

पटना के अनीसाबाद आनंद विहार कॉलोनी में रहने वाले एक कारोबारी से 50 लाख रुपए की ठगी हुई है। साइबर ठगों ने उन्हें शेयर और गोल्ड में निवेश पर दोगुना मुनाफा दिलाने का झांसा दिया था। ठगों ने पहले कारोबारी का भरोसा जीता। उन्होंने दिल्ली के जेवर महल के शेयर में निवेश करने की सलाह दी। भरोसा जीतने के लिए ठगों ने कारोबारी को एक GST नंबर भी दिया। इसके बाद ठगों ने गोल्ड में निवेश को फायदे का सौदा बताया। धीरे-धीरे उन्होंने कारोबारी से अलग-अलग खातों में पैसे जमा करवाए। कारोबारी ने ठगों की बातों पर भरोसा कर अपनी जिंदगी भर की कमाई निवेश कर दी। ठगी का पता तब चला जब कारोबारी ने निवेश किए गए पैसे निकालने की कोशिश की। कई कोशिशों के बाद भी उन्हें पैसा वापस नहीं मिला। उल्टा, साइबर ठगों ने पैसे निकालने के लिए कई तरह की शर्तें रखीं और उनसे और पैसे मांगे। तब कारोबारी को समझ आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने तुरंत साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, साइबर ठगों ने संजीव कुमार से संपर्क किया था।

उन्होंने संजीव को शेयर बाजार में निवेश करने की सलाह दी। बातचीत के दौरान ठगों ने उन्हें दिल्ली के प्रीत विहार में मौजूद जेवर महल के शेयर में निवेश करने को कहा। ठगों ने कारोबारी को समझाया कि सोने की कीमत लगातार बढ़ रही है, इसलिए गोल्ड में निवेश करने पर उन्हें दोगुना मुनाफा मिलेगा। ठगों ने संजीव कुमार को निवेश से जुड़ी कई जानकारी और दस्तावेज भी दिए। भरोसा जीतने के लिए उन्होंने GST नंबर भी दिया। जब कारोबारी ने इन जानकारियों की जांच की, तो शुरुआत में सभी डिटेल सही लगीं। इससे उनका भरोसा और बढ़ गया। ठगों ने इसी भरोसे का फायदा उठाकर उनसे निवेश के नाम पर पैसे लेना शुरू कर दिया।

पटना-बेड पर महिला टीचर का खून से लथपथ शव मिला

एजेंसी, पटना

पटना में एक महिला टीचर का शव उनके बेडरूम में खून से लथपथ मिला। वारदात मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कैलू बीघा की है। मृतका की पहचान 45 साल की लक्ष्मी देवी के रूप में हुई है। वो पोठही मध्य विद्यालय में शिक्षिका थीं, जो साल 2005 में प्रखंड शिक्षामित्र से शिक्षिका के पद पर बहाल हुई थी। कैलू बीघा में महिला अकेले ही रहती थी।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए SIT का गठन किया है। शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या करने वाला व्यक्ति महिला का परिचित हो सकता है। दरअसल, महिला के घर से चाय पिए हुए दो कप, एक प्लेट में दो चम्मच और पनीर की सब्जी के अंश मिले हैं। जिससे करीबी के शामिल होने का शक गहरा हो रहा है। पुलिस की जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि लक्ष्मी देवी के घर में आखिरी बार कौन आया था और हत्या के बाद वह किस रास्ते से फरार हुआ। हालांकि, हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं

हुआ है।

पति इंजीनियर, पत्नी टीचर थींः कैलूचक निवासी ज्ञानचंद चौधरी गया के टेकारी में ग्रामीण कार्य विभाग में सहायक अभियंता हैं। उनकी पत्नी लक्ष्मी कुमारी पुनपुन प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सहवाजपुर में सहायक शिक्षिका थीं। लक्ष्मी देवी के पति ज्ञानचंद चौधरी ने बताया, 'मंगलवार रात करीब 9:45 बजे उनकी पत्नी से फोन पर बातचीत हुई थी। बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे उन्होंने दोबारा फोन किया, लेकिन कई बार कॉल करने के बावजूद पत्नी ने फोन नहीं उठाया।' इसके बाद उन्होंने स्कूल के शिक्षक बृजेश कुमार से बात कर लक्ष्मी देवी के बारे में जानकारी ली। शिक्षक ने बताया कि वह बुधवार को विद्यालय नहीं आई थीं।

बेटा पहुंचा तो शव मिलाः इसके बाद ज्ञानचंद ने अपने बेटे गौरव कुमार, जो अपने नानी घर प्रेम रोड मसौढ़ी में था, उसे फोन कर बताया कि उनकी मां फोन नहीं उठा रही है, घर जाकर पता करो क्या हाल-चाल है। घर पहुंचने के बाद बेटे ने बार-बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन इसके बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। उसने बगल के बरामदे से खिड़की तोड़कर देखा तो उनकी मां बेड पर खून से लथपथ पड़ी थी।

घर में मिले दो चम्मच और दो चाय के कपः घटना की जांच के दौरान पुलिस को घर के अंदर कुछ ऐसे सुराग मिले हैं, जिनसे वारदात से पहले किसी व्यक्ति के लक्ष्मी देवी के साथ मौजूद होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को घर में एक टेबल पर जूठी प्लेट में दो चम्मच मिले हैं। किचन में चाय की 2 कप मिली है, जिससे लगता है कि दो लोगों ने चाय पी थी। एक कड़ाही में पनीर के दो टुकड़े भी मिले। वहीं, टेबल पर रखी तीन पानी की बोतलों में से दो खाली थीं और एक भरी हुई थी। इन सभी सबूतों से पुलिस को लग रहा है कि लक्ष्मी देवी ने किसी परिचित के साथ खाना खाया था। इन परिस्थितियों के आधार पर पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या से पहले लक्ष्मी देवी के घर कौन आया था और उनके साथ भोजन या चाय किसने पी थी।

चार दरवाजे, तीन अंदर से लॉक मिलेः मसौढ़ी SDPO राघव दयाल के मुताबिक, घर के अदंर जाने के लिए चार दरवाजा बनाए गए हैं। इनमें एक मुख्य गेट, दूसरा गली की ओर से खुलता है, जबकि तीसरा दरवाजा गैराज की तरफ खुलता है और चौथा दरवाजा गैराज से थोड़ा आगे की ओर है। जांच में तीन दरवाजे अंदर से लॉक पाए गए। पुलिस का यह मानना है कि जो एक दरवाजा अंदर से लॉक नहीं था, हत्या करने वाला व्यक्ति घटना को अंजाम देने के बाद वहीं से निकाल कर फरार हो गया। पुलिस घटनास्थल और दरवाजों की स्थिति को लेकर भी पुलिस साक्ष्य जुटा रही है।

छात्र नेता बोले- पत्नी ने फॉर्म तक नहीं भरा

दूसरी महिला को पत्नी बताकर बदनाम किया

एजेंसी, पटना

छात्र नेता दिलीप कुमार ने 70वीं BPSC परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोपों के खिलाफ साइबर थाने में आवेदन दिया है। उन्होंने कुछ लोगों पर सोशल मीडिया के जरिए उनके और उनकी पत्नी के खिलाफ झूठी और आपत्तिजनक बातें फैलाकर छवि खराब करने का आरोप लगाया है। दिलीप कुमार ने मामले में नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दिलीप कुमार ने अपने आवेदन में कहा है कि वह पिछले 11 वर्षों से छात्रों के हित में आंदोलन और संघर्ष करते आ रहे हैं। उन्होंने 67वीं BPSC, BSSC CGL-3, सिपाही भर्ती-2023, TRE-3 और AEDO समेत पांच प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले उठाए और इन परीक्षाओं को

रद्द करवाने में भूमिका निभाई। उनका आरोप है कि इसी वजह से कुछ शिक्षा माफिया और असामाजिक तत्व लगातार उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

24-25 अगस्त से सोशल मीडिया पर आरोप लगाने का दावाः आवेदन के मुताबिक, दिलीप कुमार 18 अगस्त से अभ्यर्थियों के साथ गर्दनीबाग धरना स्थल पर 'छात्र न्याय सत्याग्रह' में बैठे थे। इसी दौरान 24-25 अगस्त से Facebook, X, Instagram, WhatsApp, Telegram समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ पोस्ट और मैसेज प्रसारित किए जाने लगे। इन पोस्ट में आरोप लगाया गया कि छात्र नेता दिलीप कुमार ने अपनी पत्नी नेहा कुमारी की 70वीं BPSC परीक्षा में सेटिंग कराकर उन्हें SDM/CO बनवा दिया। दिलीप कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा बताया है।

पत्नी की तबीयत खराब होने का आरोपः दिलीप कुमार का कहना है कि सोशल मीडिया पर चल रहे इन आरोपों के कारण उनकी पत्नी मानसिक तनाव में हैं और उनकी तबीयत भी खराब हो गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ गाली-गलौज की। आवेदन में दिलीप कुमार ने कुछ सोशल मीडिया अकाउंट और ग्रुप की जानकारी पुलिस को दी है। साथ ही, अन्य अज्ञात लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग की है।

पटना यूनिवर्सिटी के भवन निर्माण में घोटाले के आरोप, दो दिन बाद राज्यपाल से मिलेंगे

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के निर्माणाधीन G+8 भवन में इस्तेमाल हो रही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर छात्र संघ ने सवाल उठाए हैं। छात्र संघ ने भवन निर्माण में कथित अनियमितताओं की शिकायतों को देखते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने की मांग की है। भवन के निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही बालू, गिट्टी, ईंट और अन्य निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। छात्र संघ अध्यक्ष ने घोटाला का आरोप लगाया है।

2 दिन बाद राज्यपाल ने मिलने का दिया समयः पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष शांतनु शेखर ने कहा कि यह भवन विश्वविद्यालय के हजारों छात्रों से जुड़ा है। ऐसे में निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी से छात्रों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने राज्यपाल सह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति से निर्माण में इस्तेमाल बालू, गिट्टी, ईंट और अन्य सामग्री के नमूने अधिकृत तकनीकी प्रयोगशाला में भेजकर जांच कराने की मांग की थी। 2 दिन बाद हमें राज्यपाल ने मिलने का समय दिया है।

गुणवत्ता जांच तक निर्माण कार्य रोका जाना चाहिए- शांतनु शेखरः छात्र संघ ने निर्माण का टेंडर पाने वाली कंपनी या एजेंसी की कार्यप्रणाली और टेंडर प्रक्रिया की भी जांच कराने की मांग की है। छात्र संघ अध्यक्ष का कहना है कि जब तक गुणवत्ता जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक निर्माण कार्य रोकने पर भी विचार किया जाना चाहिए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना की

आशंका को टाला जा सके।

मगध महिला कॉलेज में 24 घंटे चलने वाली डिस्पेंसरी खुलीः शांतनु शेखर ने यह भी जानकारी दी कि उनके पहल से मगध महिला कॉलेज परिसर में 24 घंटे चलने वाली डिस्पेंसरी (औषधालय) खुली है। छात्रसंघ चुनाव के दौरान उन्होंने कॉलेज की छात्राओं से वादा किया था कि वे कैंपस में स्वास्थ्य सुविधाओं और विशेष रूप से पीरियड्स क्रैम्प्स व सैनिटरी पैड्स जैसी आपातकालीन जरूरतों के लिए डिस्पेंसरी खुलवाएंगे। इस डिस्पेंसरी में 24*7 नर्स कॉलेज की छात्राओं के लिए उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पहल से वाणिज्य महाविद्यालय में नेटवर्क इशू भी ठीक हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

लोक अदालत का संदेश लेकर निकले 10 से अधिक प्रचार रथ, यातायात चालान में 50 प्रतिशत तक छूट

बीएनएम@ मोतिहारी। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार को लेकर गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण की ओर से 10 से अधिक प्रचार रथ रवाना किए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अभिषेक कुमार दास ने सुबह 10 बजे हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथों को रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी, विशेष न्यायाधीश कमलेश चंद्र मिश्रा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज विजय सिंह, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय इसरार अहमद सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी मौजूद रहे। सेंट्रल बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक के.एम. सिंह समेत विभिन्न बैंकों के अधिकारी भी उपस्थित थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने बताया कि प्रचार रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मामलों के त्वरित एवं आपसी सहमति से निस्तारण के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया कि यातायात चालान से जुड़े मामलों में लोक अदालत के माध्यम से 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने आमलोगों से अपील की कि अपने लंबित मामलों को वर्षों तक लंबित रखने के बजाय लोक अदालत में आपसी सहमति के आधार पर शीघ्र निस्तारण कराएं। जिन लोगों के यातायात चालान लंबित हैं, वे भी लोक अदालत में उपलब्ध 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाकर अपने चालानों का निस्तारण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत विवादों के शांतिपूर्ण, सरल और त्वरित समाधान का बेहतर माध्यम है। अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिए। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, चेक बाउंस, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा सहित अन्य सुलहनीय मामलों का भी निस्तारण किया जाएगा।

पूर्वी चंपारण में 350 करोड़ से लगेगा मदर डेयरी का दूसरा प्लांट

पिपराकोठी में फिश प्रोसेसिंग प्लांट, एक्वाकल्चर पार्क व हनी प्रोसेसिंग प्लांट की भी योजना

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी पहल की तैयारी है। जिले में करीब 350 करोड़ रुपये की लागत से मदर डेयरी का दूसरा प्लांट स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही पिपराकोठी में फिश प्रोसेसिंग प्लांट, एक्वाकल्चर पार्क और हनी प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने की योजना भी सामने आई है। इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से किसानों, पशुपालकों, मत्स्यपालकों और मधुमक्खी पालकों को उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और बाजार की सुविधा मिलने की उम्मीद है। महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित कृषि, पशुपालन एवं मात्स्यिकी उद्यमी उन्नति मेला के तीसरे दिन जिले को एक के बाद एक कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात मिली। मदर डेयरी के दूसरे प्लांट की घोषणा को चंपारण में डेयरी क्षेत्र के विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

6500 गांवों में खुलेंगी दुग्ध सहकारी समितियां– राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मीनेश साह ने बताया कि बिहार में अगले पांच वर्षों में करीब 6500 गांवों में दुग्ध सहकारी समितियां गठित करने का लक्ष्य है। वर्तमान में करीब 6000 गांवों में समितियां संचालित हैं। इन समितियों को ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम और बल्क मिल्क कूलर जैसी आधुनिक सुविधाओं से मजबूत किया जाएगा।

25 करोड़ से नस्ल सुधार, 30 हजार अच्छी नस्ल की गायों का लक्ष्य– केंद्र सरकार के कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के तहत 25 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से नस्ल सुधार योजना चलाई जा रही है। इसके लिए 100 कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों को प्रशिक्षित कर गांव-गांव भेजा गया है। योजना करीब 2700 गांवों तक पहुंच चुकी है और 25 हजार से अधिक किसान इससे जुड़ चुके हैं। चंपारण और आसपास के क्षेत्रों में करीब 30 हजार अच्छी नस्ल की गायें उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इससे दूध उत्पादन बढ़ने के साथ पशुपालकों की आमदनी में वृद्धि की उम्मीद है।

पिपराकोठी में मछली और शहद के लिए बनेगा प्रसंस्करण केंद्र– सांसद राधामोहन सिंह ने पिपराकोठी में प्रस्तावित फिश प्रोसेसिंग प्लांट और एक्वाकल्चर पार्क को उत्तर बिहार के मत्स्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। इससे मछली उत्पादन के साथ उसके प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन की बेहतर व्यवस्था विकसित होने की उम्मीद है। वहीं, प्रस्तावित हनी प्रोसेसिंग प्लांट से मधुमक्खी पालकों को शहद के संग्रह, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन और विपणन के लिए बेहतर आधार मिलेगा। इससे ग्रामीण युवाओं और छोटे किसानों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

खेती से आगे बढ़ेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था– सांसद ने कहा कि डेयरी, मत्स्य, मधुमक्खी पालन और कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार से किसानों की आय बढ़ाने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि कृषि को अब सिर्फ उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय प्रसंस्करण, बाजार और उद्योग से जोड़ने की जरूरत है।

कार्यक्रम में विधायक सच्चिद्र प्रसाद सिंह, श्यामबाबू प्रसाद यादव, कृष्णनंदन पासवान, प्रमोद कुमार, राज्य मत्स्य आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी, सचिव शीर्षत कपिल अशोक, पिपराकोठी कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार सिंह, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव सहित कई अधिकारी, वैज्ञानिक, पशुपालक, मत्स्यपालक और उद्यमी मौजूद रहे। इन परियोजनाओं के समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतरने से चंपारण में कृषि उत्पादन के साथ कृषि आधारित प्रसंस्करण उद्योग और रोजगार को भी गति मिलने की उम्मीद है। इससे किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर बाजार मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिल सकता है।

भारत का नाम लेकर भावुक हुए नेपाल के पीएम, त्रासदी में समझे 'पड़ोसी' कितने जरूरी

बीएनएम@ मोतिहारी

पड़ोसी देश नेपाल में विगत दिनों आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। चारों तरफ तबाही का मंजर रहा। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि हजारों लोग अब भी मलबे और बाढ़ के पानी के बीच फंसे हुए हैं। ऐसे मुश्किल वक्त में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने भारत और चीन की मदद के लिए दोनों पड़ोसी देशों का आभार जताया। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि इतनी बड़ी राष्ट्रीय आपदा के समय अन्तर्राष्ट्रीय मदद लेने से इनकार करने का सवाल ही नहीं था। उन्होंने कहा कि जब देश के बड़े हिस्से में बाढ़ का पानी भर गया और कई रास्ते बंद हो गए, तब सरकार ने मित्र देशों और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर राहत और बचाव अभियान शुरू किया। पीएम श्री शाह ने अपने संबोधन में भारत और चीन की मदद का विशेष तौर पर जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी और मित्र देशों ने आपदा की जानकारी मिलते ही अपने विशेषज्ञों और तकनीकी टीमों को नेपाल भेजा। इन टीमों ने हादसे के पहले ही दिन से हवाई सर्वेक्षण शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि हवाई सर्वेक्षण के जरिए तबाही के दायरे का आकलन किया गया। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की गई कि बेहद दुर्गम और प्रभावित इलाकों तक बचाव दल किस रास्ते से पहुंच सकते हैं। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि आपदा के समय नेपाल को मित्र देशों से मिली मदद बेहद अहम रही। बाढ़ और भूस्खलन से कई इलाकों का संपर्क टूट गया था। ऐसे में तकनीकी विशेषज्ञों और राहत-बचाव दलों की मदद से प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने की कोशिश की गई। शाह के बयान से साफ है कि भीषण आपदा के इस दौर में नेपाल के लिए उसके पड़ोसी देशों की तत्काल मदद काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। भारत की ओर से मिली मदद का उल्लेख करते हुए उनका भावुक होना दोनों देशों के पारंपरिक पड़ोसी संबंधों की अहमियत को भी रेखांकित करता है।

बूथ स्तर तक कांग्रेस संगठन को मजबूत करने पर जोर- गप्पू राय

बीएनएम@ मोतिहारी। नगर के बंजरिया पंडाल स्थित गांधी आश्रम में गुरुवार को संगठन जिला गोविंदगंज के जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में प्रखंड कांग्रेस कमिटी के संगठन को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत, सक्रिय एवं व्यवस्थित करने के लिए संगठनात्मक कार्यक्रम को गति देने पर जोर दिया गया। बैठक में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष -सह- प्रभारी जितेन्द्र कुमार की उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को प्रदेश, जिला, प्रखंड और बूथ स्तर तक सक्रिय एवं मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि केवल पदों को भरना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क अभियान को तेज कर आम जनता और पार्टी के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा कांग्रेस की नीतियों एवं कार्यक्रमों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही सभी प्रखंड अध्यक्षों को मंडल का गठन कर जिला स्तरीय मासिक बैठक से पूर्व प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने संगठन सृजन अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए सभी कांग्रेसजनों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। बैठक में विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार सिंह, सत्येन्द्र नाथ तिवारी, राज कुमार अंजूमन, अमित कुमार, दिग्विजय सिंह, मो. कलिम अख्तर, ऋषि सिंह, रमेश कुमार, आबिद हुसैन, मोख्तार आलम, मदन मोहन सिंह, कन्दन कुमार तिवारी, शैलेश्वर तिवारी, मदन सहनी, राज कुमार यादव, नन्दन कुमार चौबे, विश्वनाथ कुमार श्रीवास्तव, मो. खलीलुर्रहमान खां, महेन्द्र पाठक, ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी, रविन्द्र नाथ तिवारी, पप्पू रंजन मिश्र, शशिभूषण कुमार, सत्येन्द्र कुमार मिश्रा, चन्देश्वर प्रसाद, सुरेश राम, मो. नेयाज अहमद खां, मदन प्रसाद कुशवाहा सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में मारपीट के मामले में लापरवाही पर थानाध्यक्ष समेत चार निलंबित

बीएनएम@ मोतिहारी

जमीन विवाद को लेकर मारपीट और गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने के बाद पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई की है। संग्रामपुर थानाध्यक्ष समेत डायल-112 में प्रतिनियुक्त तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 28 अगस्त 2026 को संग्रामपुर थाना क्षेत्र के दुशाध पट्टी में रमेश पासवान, उनके पुत्र खन्नी पासवान तथा दूसरे पक्ष के दुखी पासवान, पुत्र स्वर्गीय मोती पासवान के बीच जमीन विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। घटना में प्रथम पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों में रमेश पासवान की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जांच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अरेराज द्वारा की गई। जांच में पाया गया कि दोनों पक्षों के बीच पूर्व से जमीन विवाद चला आ रहा था। इस संबंध में थानास्तर से कोई निरोधात्मक कार्रवाई नहीं की गई थी। आरोप है कि दोनों पक्षों द्वारा काफी समय तक सामान्य दंगा की स्थिति बनाए रखते हुए मारपीट और घर में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि घटनास्थल थाना से महज करीब 500 मीटर की दूरी पर होने के बावजूद थानास्तर और डायल-112 की गाड़ी समय पर नहीं पहुंच सकी। सत्यापन के दौरान थानाध्यक्ष द्वारा बताया गया कि डायल-112 का वाहन खराब था, जिसके कारण गाड़ी थाना में लगी हुई थी और डायल-112 में प्रतिनियुक्त पुलिसकर्मी थाने के वाहन से गश्ती कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, पूरे मामले में संग्रामपुर थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक अनूप कुमार की कर्तव्य के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता तथा अधीनस्थों पर नियंत्रण के अभाव की बात सामने आई। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ज्ञापांक 2907/अपराशा (विविध), दिनांक 2 सितंबर 2026 के तहत थानाध्यक्ष से 24 घंटे के भीतर विभागीय कार्रवाई के विरुद्ध स्पष्टीकरण मांगा गया था। प्राप्त स्पष्टीकरण के बाद पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करते हुए संग्रामपुर थानाध्यक्ष अनूप कुमार तथा डायल-112 में प्रतिनियुक्त सहायक अवर निरीक्षक-19 सूर्य नारायण यादव, महिला सिपाही-457 उजाला कुमारी और सिपाही-541 रतन कुमार महतो को लापरवाही, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं पुलिस आचरण के प्रतिकूल कार्य करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पुलिस विभाग ने कहा है कि मामले में प्रशासनिक नियंत्रण एवं पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है।

एमएलसी चुनाव को लेकर प्रशांत किशोर का बड़ा बयान, बोले- 8 सीटों पर चुनाव लड़ेगा जन सुराज; अगले 2-4 दिनों में होगी प्रत्याशियों की घोषणा

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को लेकर बैठक में शामिल हुए प्रशांत किशोर, कार्यकर्ताओं से ली राय

बीएनएम@ मोतिहारी

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बुधवार को आगामी सारण शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में शामिल हुए। उक्त बैठक का आयोजन मोतिहारी शहर स्थित एक निजी होटल के सभागार में किया गया। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के वर्तमान एमएलसी अफाक अहमद, एनपी मंडल, सुभाष कुशवाहा, सरवर अली, जेपी सिंह सहित प्रदेश स्तर के कई नेता मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सारण, सिवान और गोपालगंज के संगठन पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान आगामी एमएलसी चुनाव में पार्टी की ओर से संभावित प्रत्याशियों को लेकर कार्यकर्ताओं और संगठन पदाधिकारियों से राय ली गई। कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन की स्थिति, मतदाताओं के बीच जन सुराज की पहुंच और चुनाव को लेकर स्थानीय स्तर पर की जाने वाली तैयारियों से संबंधित सुझाव साझा किए। प्रशांत किशोर ने कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से सुना और चुनाव की तैयारियों को लेकर उनके सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। मीडिया से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज आगामी एमएलसी चुनाव में 8 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार और चुनाव की रणनीति को लेकर पांचों जिलों छपरा, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण— के साथ-साथ संगठन जिला बगहा के सभी साथियों के साथ तीन घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, सभी साथियों ने मिलकर जो निर्णय लिया है और लोगों ने जो सुझाव दिया है, उसके आधार पर अगले तीन-चार दिनों में पार्टी अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ इस क्षेत्र के लिए भी अपने उम्मीदवार की घोषणा करेगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से पहले निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीत चुके वर्तमान एमएलसी अफाक अहमद भी बैठक में शामिल थे और उन्हें लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उम्मीदवार को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी द्वारा पटना में एक साथ लिया जाएगा और उसी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि इस क्षेत्र से जन सुराज का उम्मीदवार कौन होगा। बैठक में आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर संगठन को और मजबूत करने, मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने और प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने पर भी विस्तार से मंथन किया गया।

राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित शिक्षकों को टीचर्स ऑफ बिहार ने दी बधाई

बीएनएम@ मोतिहारी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और समर्पण की मिसाल कायम करने वाले बिहार के राजकीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित शिक्षक-शिक्षिकाओं को टीचर्स ऑफ बिहार परिवार ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। शिक्षा विभाग की ओर से जारी सूची में राज्य के विभिन्न जिलों के चयनित शिक्षकों को शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। टीचर्स ऑफ बिहार ने कहा कि राजकीय शिक्षक पुरस्कार केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि विद्यालय, विद्यार्थियों और समाज के प्रति शिक्षकों की प्रतिबद्धता, मेहनत और उल्लेखनीय योगदान की पहचान है। चयनित शिक्षकों के नवाचारपूर्ण प्रयासों ने विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के साथ ही अन्य शिक्षकों को भी प्रेरित किया है। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेन्द्र प्रकाश सुमन ने कहा कि, "जब शिक्षक का सम्मान बढ़ता है, तब शिक्षा का सम्मान बढ़ता है।" उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मान शिक्षकों का मनोबल बढ़ाने के साथ विद्यालयों में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार ने सभी चयनित शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां आने वाले समय में हजारों शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। वहीं, प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने कहा कि राजकीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित होना शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। चयनित शिक्षक अपने विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत रहे हैं। उनका चयन पूरे शिक्षक समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान किसी एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था के सम्मान का प्रतीक है। ऐसे सम्मान शिक्षकों को समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। टीचर्स ऑफ बिहार ने विश्वास जताया कि सम्मानित होने वाले शिक्षक भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट कार्यों से बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

संत रविदास जयंती पर 59 अनुसूचित जाति टोलों में लगा समरसता संकल्प अभियान का शिविर

बीएनएम@ मोतिहारी

श्री गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिले के 59 टोलों में शिविर आयोजित किए गए। इस दौरान मधुबन प्रखंड की नौरंगिया माधोपुर पंचायत में आयोजित शिविर में विधायक राणा रणधीर सिंह और जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय शामिल हुए। शिविर में आम लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विधायक राणा रणधीर सिंह ने कहा कि 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मी अनुसूचित जाति टोलों में पहुंचकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। साथ ही पात्र लाभुकों को सरकार द्वारा संचालित 22 योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं लोगों के लिए लाभकारी, सुलभ और निःशुल्क हैं। जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि यह अभियान 27 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक जिले में माइक्रो प्लान के अनुसार चिन्हित पंचायतों के अनुसूचित जाति टोलों में प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय के शत-प्रतिशत पात्र लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 10 सितंबर 2026 को जिले के 62 अनुसूचित जाति टोलों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। मधुबन में आयोजित शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, संबंधित पंचायत सचिव, स्वास्थ्य विभाग के कर्मी, विकास मित्र, पंचायत स्तरीय विभिन्न विभागों के कर्मी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बापूधाम महोत्सव के तीसरे दिन मंत्री श्रवण कुमार ने किया उद्घाटन

चंपारण की धरती ने महात्मा गांधी को बनाया 'बापू', विकास के लिए मिलजुलकर काम करने की जरूरत : श्रवण कुमार

बीएनएम@ मोतिहारी

बापूधाम महोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार की शाम आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह में विधायक प्रमोद कुमार, राजू तिवारी, विधान पार्षद डॉ. खालिद अनवर, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, जदयू जिलाध्यक्ष भरत पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। नरकटिया विधायक विशाल कुमार भी समारोह में उपस्थित थे। उद्घाटन के अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि वे सबसे पहले बापू की धरती चंपारण को नमन करते हैं। महात्मा गांधी ने देश की आजादी में जो योगदान दिया, वह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि चंपारण की धरती ने ही महात्मा गांधी को 'बापू' बनाया। यहीं उन्होंने सत्याग्रह का पहला सफल प्रयोग किया था। मंत्री ने बापूधाम महोत्सव के बेहतर आयोजन के लिए मोतिहारी सांसद राधामोहन सिंह को साधुवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने महोत्सव को बेहतर तरीके से सजाया और संवारा है। उन्होंने जिला प्रशासन को भी बेहतर व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया।

पांच साल में 11 लाख लोगों को मिली सरकारी नौकरी : मंत्री– श्रवण कुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में वर्ष 2020 से 2025 के बीच कुल 11 लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिली, जबकि 40 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 से 2030 की अवधि में सरकार ने एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा है और इस दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के नेतृत्व में बिहार को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में करीब 40 हजार महिलाओं की पुलिस में भर्ती हुई है, जो देश में सर्वाधिक है। मंत्री ने कहा कि चंपारण के लोगों के सहयोग, प्रेम, भाईचारे और आपसी मिल्लत से राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ाने में सहूलियत होगी। उन्होंने महोत्सव में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों का आभार जताया। इस अवसर पर विधायक प्रमोद कुमार, राजू तिवारी और विधान पार्षद डॉ. खालिद अनवर ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

एनएच-27 पर दो ट्रकों की भीषण टक्कर, दोनों में लगी आग

बीएनएम@ पिपराकोठी। पिपराकोठी थाना क्षेत्र के बथना गांव के समीप एनएच-27 पर बुधवार की रात टाइल्स लदे ट्रक और सड़क किनारे खड़े गिट्टी लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों ट्रकों में तत्काल आग लग गई और देखते ही देखते दोनों वाहन धू-धूकर जलने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पिपराकोठी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अग्निशमन विभाग की टीम को भी सूचना दी गई। पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से सबसे पहले ट्रक चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। इसके बाद ग्रामीणों और अग्निशमन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग की लपटें और धुआं काफी दूर से दिखाई दे रहा था। पुलिस की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग को आसपास के वाहनों व संपत्तियों में फैलने से रोक लिया गया। पिपराकोठी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि सड़क किनारे खड़े ट्रक में दूसरे ट्रक की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लगी थी। चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। अग्निशमन विभाग की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

महादलित परिवारों के लिए लेकर विशेष शिविर आयोजित

दर्जनों ग्रामीणों ने दिए आवेदन

बीएनएम@ समस्तीपुर। बिहार सरकार के निर्देश पर मोहनपुर प्रखंड की बिशनपुर बेरी पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में महादलित समाज की समस्याओं के समाधान हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। रविदास विकास समिति द्वारा कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में करीब पांच दर्जन ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और अपनी शिकायतें दर्ज कराईं।शिविर के दौरान ग्रामीणों मुख्य रूप से राशन कार्ड बनवाने व सुधारने, वृद्धावस्था पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और सड़क से जुड़ी समस्याओं को लेकर आवेदन दिए। कार्यक्रम पदाधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचाना है, ताकि ग्रामीणों को प्रखंड कार्यालय के चक्कर न काटने पड़ें। प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के माध्यम से शीघ्र निष्पादित करने का आश्वासन दिया गया है। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य अमरेश कुमार पिंटू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे नन्हे बच्चों ने मोहा मन

बीएनएम@ गयाजी। शहर के नैली रोड, खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। जन्माष्टमी के इस पावन अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था। समारोह में नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बाल गोपाल श्रीकृष्ण तथा श्रीजी राधा रानी की मनमोहक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे, जिन्होंने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।विद्यालय की प्राचार्य पूनम सिन्हा ने इस मौके पर कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, सत्य, कर्म और धर्म का संदेश देता है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति व संस्कारों से जोड़ना है। उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। पूरा कार्यक्रम उपप्राचार्य राखी कुमारी के कुशल मार्गदर्शन और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा।

जिला अस्पतालों में 36 से 70 प्रकार की सर्जरी लागू

एक ही दिन में सफलतापूर्वक हुईं 13 सर्जरी

बीएनएम@ गयाजी। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा सदर अस्पताल समेत विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में ओपीडी के साथ-साथ सर्जरी सेवाओं का दायरा काफी बढ़ा दिया गया है। डीपीएम स्वास्थ्य नीलेश कुमार ने बताया कि खिजरसराय, शेरघाटी और टिकारी अनुमंडलीय अस्पतालों के साथ जयप्रकाश नारायण सदर अस्पताल में सिजेरियन प्रसव, हर्निया, अपेंडिक्स, हाइड्रोसील, बंध्याकरण और नसबंदी जैसी नियमित सर्जरी के साथ-साथ हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा भी स्थानीय स्तर पर मिलने लगी है, जिससे मरीजों को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है और हाल ही में एक ही दिन में कुल 13 सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं।सिविल सर्जन डॉ. राजाराम प्रसाद ने जानकारी दी कि स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के उद्देश्य से जिला अस्पतालों में 36 से 70 प्रकार की अनिवार्य सर्जरी लागू की गई हैं, ताकि मरीजों को बेवजह बड़े शहरों में रेफर न होना पड़े। इस नई व्यवस्था के तहत अब सदर अस्पताल में हर्निया, हाइड्रोसील, अपेंडिक्स, पाइल्स, फिस्टुला, पित्त की थैली और स्तन गांठ के ऑपरेशन के साथ-साथ स्त्री एवं प्रसूति विभाग में सिजेरियन डिलीवरी, गर्भाशय निकालने, एक्टोपिक प्रेग्नेंसी और परिवार नियोजन से जुड़े ऑपरेशन भी सुगमता से किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की फिर बिगड़ी तबीयत

परिवार के साथ दिल्ली हुए रवाना

बीएनएम@ पटना। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री और 'हम' (सेक्युलर) के संरक्षक जीतन राम मांझी की तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई है। पटना के मेदांता अस्पताल से वायरल बुखार और बढ़े हुए शुगर लेवल का इलाज कराकर घर लौटने के कुछ ही घंटों बाद देर रात उनकी सेहत फिर खराब हो गई।चिकित्सकों की सलाह पर वे अपने पूरे परिवार के साथ बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं। उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है, और सभी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। ८१ वर्षीय जीतन राम मांझी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री हैं।

कटिहार के 20 मॉडल स्कूलों में पढ़ाएंगे 20 अधिकारी

डीएम की इस पहल को पूरे बिहार में लागू करेगी सरकार

बीएनएम@ कटिहार। जिले के 20 मॉडल स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 20 प्रशासनिक अधिकारियों को अध्यापन की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत सभी नामित अधिकारी सप्ताह में एक दिन अपने आवंटित मॉडल स्कूल में बच्चों की क्लास लेंगे और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन का गहन अध्ययन करेंगे।इसी कड़ी में सरस्वती विद्या निकेतन माहेश्वरी एकेडमी मॉडल स्कूल में पठन-पाठन कार्य का औपचारिक शुभारंभ हुआ, जहां बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने खुद कक्षा पहुंचकर विद्यार्थियों को पढ़ाया और उनके विषयों से जुड़े सवालों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका निभाना उनके लिए गौरव का विषय है।जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि सभी 20 मॉडल स्कूलों में यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक शुरू हो चुकी है।

लायंस क्लब के सहयोग से मानव सेवा आश्रम के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं हस्तांतरण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

लायंस क्लब ऑफ बीरगंज मिलेनियम और लायंस क्लब ऑफ बीरगंज संस्कृति गोल्ड के संयुक्त आयोजन में बीरगंज के लक्ष्मणवा-नौतन स्थित मानव सेवा आश्रम के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं हस्तांतरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुधवार को आयोजित समारोह में लायंस क्लब इंटरनेशनल के पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक लायन संजय खेतान ने भवन का उद्घाटन किया। नवनिर्मित भवन का निर्माण लायंस क्लब इंटरनेशनल फाउंडेशन (LCIF) के 1 करोड़ 40 लाख नेपाली रुपये के आर्थिक सहयोग से कराया गया है। भवन के हस्तांतरण के बाद आश्रम में रहने वाले असहाय एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले लोगों के आवास, सुरक्षा और सेवा प्रबंधन में सुविधा बढ़ने की उम्मीद जताई गई। कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता लायंस क्लब ऑफ बीरगंज मिलेनियम के अध्यक्ष लायन वीरेंद्र साह और लायंस क्लब ऑफ बीरगंज संस्कृति गोल्ड की अध्यक्ष लायन खुश्बू अग्रवाल ने की। समारोह में पर्सा के सहायक प्रमुख जिला अधिकारी कृष्णा थापा, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन राम बिहारी पांडेय, मानव सेवा आश्रम के संस्थापक रामजी अधिकारी, मानव सेवा आश्रम बीरगंज के अभिभावक परिवार संयोजक हरि गौतम, हेटौडा से अंकिता सुमार्गी, अरुण सुमार्गी, बसंत सर, बलिराम भट्ट, पीडीजी लायन डीएन अग्रवाल, पीडीजी लायन डॉ. आरपी खेतान, कैबिनेट सचिव लायन बासु तिमिल्सिना, कैबिनेट कोषाध्यक्ष लायन रामेश्वर गुप्ता, लायन गणेश लाठ, लायन प्रकाश थारू, एरिया चीफ लायन सुनील गुप्ता सहित लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के जोन चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन बिमल सर्राफ समेत अन्य की सहभागिता रही। आयोजकों ने बताया कि भवन आश्रम में रह रहे असहाय लोगों को व्यवस्थित आवास और बेहतर सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे आश्रम की सेवा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन मानव सेवा आश्रम के देवेश मानव ने किया।

नेपाली शराब के साथ एक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान कार्रवाई करते हुए 375 एमएल नेपाली शराब की एक बोतल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के नवकठवा गांव निवासी छोटेलाल प्रसाद के पुत्र संतोष कुमार (36) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस गश्ती के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर संतोष कुमार की जांच की गई, जिसमें उसके पास से नेपाली शराब बरामद हुई। मामले में रामगढ़वा थाना कांड संख्या 412/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कटे बिजली तार ने ली इंटर की छात्रा की जान, गेट बंद करने गई थी खुशी

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना क्षेत्र की हरपुर राय पंचायत के वार्ड संख्या-9 में गुरुवार शाम बिजली विभाग की लापरवाही ने एक होनहार छात्रा की जान ले ली। घर के बाहर लोहे का गेट बंद करने गई इंटर की छात्रा खुशी कुमारी (17) कटे बिजली तार की चपेट में आ गई। तेज करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गई और अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतका सुकट राम की पुत्री थी। परिजनों के अनुसार, खुशी शाम में घर के बाहर लगे लोहे के गेट को बंद करने गई थी। इसी दौरान गेट के संपर्क में आया बिजली का कटा हुआ तार उसके हाथ में आ गया। करंट लगते ही वह मौके पर ही गिर पड़ी। शोर सुनकर पहुंचे परिजन और ग्रामीण उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

पिता दूसरे राज्य में, बेटी की मौत से परिवार में कोहराम- खुशी इंटर की छात्रा थी और पढ़ाई में काफी होनहार बताई जा रही थी। उसके पिता सुकट राम मजदूरी के लिए दूसरे राज्य में गए हुए हैं। बेटी की करंट लगने से मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में चीख-पुकार मच गई। वहीं घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है।

ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर उठाए सवाल- हादसे के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में बिजली के जर्जर और कटे तार लंबे समय से हादसे को न्योता दे रहे हैं। समय रहते तारों की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाती तो छात्रा की जान बच सकती थी।

ग्रामीणों ने क्षेत्र में खुले और जर्जर बिजली तारों का सर्वे कराकर उन्हें बदलने तथा विद्युत व्यवस्था की सुरक्षा जांच कराने की मांग की है।

मथुरा-वृंदावन बना सिंघौल का सुशीलनगर, सजीं दुकानें और भव्य पंडाल

बीएनएम@ बेगूसराय

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर सिंघौल थाना क्षेत्र का सुशीलनगर गांव इन दिनों पूरी तरह मथुरा, वृंदावन और गोकुल की तर्ज पर भक्तिमय माहौल में रंग गया है। पूर्व मुखिया सुधीर यादव ने जानकारी दी कि 4 सितंबर की मध्य रात्रि को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। गांव में पिछले तीन दशकों से अधिक समय से यह पांच दिवसीय आयोजन परंपरा के रूप में हर साल होता आ रहा है। इस दौरान बाहर रहने वाले ग्रामीण भी अपने घर लौट आते हैं, जिससे हर घर सगे-संबंधियों और मेहमानों से भरा रहता है। मेले को सफल बनाने के लिए पंचायत के मुखिया राकेश कुमार, सुधीर यादव, महेंद्र साह, लालो महतो, दिनेश कुमार महतो, रूपेश कुमार पासवान, अविनाश कुमार और दर्शन कुमार पांडेय समेत सैकड़ों ग्रामीण दिन-रात सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजन को लेकर पूरे गांव को आकर्षक पंडालों, भव्य तोरण द्वारों और रंग-बिरंगी बिजली की रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया है। मेला परिसर में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले तथा चाट, चाउमीन, पानीपुरी, खिलौने और मिठाइयों की दर्जनों दुकानें सज चुकी हैं। पुलिस-प्रशासन के सहयोग और स्थानीय लोगों की मुस्तैदी से इस पांच दिवसीय भव्य मेले में इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की पूरी संभावना जताई जा रही है, जिसकी सभी तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं।

डीएम और एसपी ने किया ईवीएम-वीवीपैट गोदाम का निरीक्षण

» सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बीएनएम@ समस्तीपुर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा और पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने गुरुवार को ईवीएम एवं वीवीपैट गोदाम का निर्धारित मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने गोदाम की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, अग्नि सुरक्षा उपायों, साफ-सफाई तथा प्रवेश औरनिकास द्वारों का बारीकी से जायजा लिया।जिलाधिकारी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी विनोद कुमार को निर्वाचन आयोग के मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने सुरक्षा कर्मियों को पूरी सतर्कता बरतने और निर्धारित प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। इस निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

नाबालिग विक्षिप्त बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास

आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ बेगूसराय

चकिया थाना क्षेत्र के सिमरिया बिंद टोली पुल के नीचे एक नाबालिग विक्षिप्त बच्ची के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। सिंघौल थाना क्षेत्र के अमरजीत कुमार, जो अपनी बहन के यहां आया था, ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। सूचना मिलते ही चकिया थानाध्यक्ष गौतम कुमार दास के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ और शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस पीड़िता की स्वास्थ्य स्थिति की जांच सहित घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गंभीरता से छानबीन कर रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जीडीपी वृद्धि का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंच रहाः तेजस्वी

वित्तीय घाटा पाटने के लिए आरबीआई के फंड का हुआ इस्तेमाल

बीएनएम@ पटना

राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति का आकलन केवल सरकारी जीडीपी के आंकड़ों से नहीं किया जा सकता, बल्कि यह आम लोगों की आय, रोजगार, खर्च और रसोई के बजट से तय होती है। उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि जीडीपी की वृद्धि तभी सार्थक है जब उसका लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे, जबकि वर्तमान में युवाओं के सामने रोजगार का भारी संकट है और आम परिवार बढ़ते खर्चों से परेशान हैं।राजद नेता ने आर्थिक असमानता का आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा व्यवस्था का लाभ केवल एक सीमित और संपन्न वर्ग को मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र पर वित्तीय घाटे को संभालने के लिए रिजर्व बैंक के कोष से 2.68 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि निकालने का गंभीर आरोप भी लगाया। शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि देश में 94 हजार स्कूल बंद हो चुके हैं और करीब एक लाख स्कूल केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। अंत में, उन्होंने बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को जीडीपी के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय और रोजगार को भी विकास का मुख्य पैमाना बनाना चाहिए।

दैनिक मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मी

» बगहा में फिर ठप हुई सफाई व्यवस्था

बीएनएम@ बगहा

दैनिक मजदूरी 400 रुपये करने की मांग को लेकर बगहा नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने एक बार फिर हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे बगहा-1 और बगहा-2 क्षेत्र के सभी 25 वार्डों में सफाई व्यवस्था और कचरा उठाव पूरी तरह ठप हो गया है। सफाई कर्मियों का आरोप है कि पिछले महीने हुई हड़ताल के दौरान नगर परिषद ने मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये करने का आश्वासन दिया था, जिसके आधार पर उन्होंने काम दोबारा शुरू किया था, लेकिन अब उन्हें मात्र 350 रुपये ही देने की बात कही जा रही है और पुराना बकाया भुगतान भी नहीं मिला है। सफाई कर्मी डीपलाल और अनिल ने दोटूक कहा है कि जब तक 400 रुपये दैनिक मजदूरी तय नहीं होगी, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले माह भी आठ दिनों की हड़ताल के कारण शहर में 20 टन से अधिक कचरा जमा हो गया था, और अब दोबारा हड़ताल शुरू होने से एक बार फिर शहरवासियों और नगर प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

गया कॉलेज के नवप्रवेशियों के लिए इंडक्शन मीट आयोजित

शिक्षकों ने छात्रों को दिए सफलता के टिप्स

बीएनएम@ गयाजी

गया कॉलेज के शिक्षा शास्त्र विभाग में प्रधानाचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र के मार्गदर्शन में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत छात्राओं द्वारा कुल गीत प्रस्तुत कर और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम, अनुशासन और उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराना था।विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय धीरज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं और उन्हें नियमित अध्ययन व नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए। वहीं बर्सर डॉ. मारकंडे पांडे ने कक्षाओं में नियमित उपस्थिति और विभागीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। इस उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. रानी नीना प्रियदर्शनी ने किया, जिसमें विभाग के शिक्षक और बड़ी संख्या में वरिष्ठ व नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बुनियादी सुविधाओं की कमी

रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया, उनमें से भी कई जगहों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी है। रेलवे स्टेशनों की दुर्दशा वैसे तो किसी से छिपी नहीं है, लेकिन अब उनकी बदहाली की विस्तृत तस्वीर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भी सामने रखी है। गैर-उपनगरीय रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं एवं स्वच्छता के हाल पर केंद्रित यह रिपोर्ट सभी 16 रेलवे जोनों के 512 ऐसे स्टेशनों के ऑडिट पर आधारित है। सीएजी ने स्टेशनों का चयन यात्रियों की आवाजाही और वहां से होने वाली कमाई को ध्यान में रखते हुए किया। उसने रेलवे डेटा, यात्री शिकायतों, यात्री प्रतिक्रियाओं, और रेलवे अधिकारियों के साथ मिल कर किए गए निरीक्षणों के आधार पर निष्कर्ष निकाले। निष्कर्ष है कि 89 प्रतिशत से अधिक स्टेशनों पर एक या अधिक न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की कमी है। और समस्या केवल छोटे स्टेशनों पर ही नहीं, बल्कि बड़े, उच्च-राजस्व और अधिक यात्री आवाजाही वाले स्टेशनों पर भी उसी तरह मौजूद है। समस्या हैः सुविधाओं का ना होना और जो सुविधाएं मौजूद हैं, उनकी नाकाफी क्षमता तथा उनका रखरखाव ठीक ना होना। रिपोर्ट के मुताबिक 188 स्टेशनों पर पेय जल के पर्याप्त नल उपलब्ध नहीं थे, जो रेल मंत्रालय के इस दावे का खंडन करता है कि ऐसी सुविधाएं प्रदान कर दी गई हैं। रिपोर्ट इस सोच चुनौती देती है कि स्टेशनों का आधुनिकीकरण खुद ही बुनियादी यात्री सेवाओं की गारंटी कर देता है। यहां तक कि जहां स्टेशनों को फिर से बनाया गया है और जिन्हें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर वाले स्टेशन समझा जाता है, उनमें से भी कई जगहों पर यात्रियों को पानी, पंखे, बैठने की जगह, शौचालय, और स्वच्छता की कमी आदि का सामना करना पड़ रहा है। सार है कि भारतीय रेलवे के पास मानदंड, फंड और निगरानी के ढांचे तो मौजूद हैं, लेकिन उनके जरिए अमल असमान बना हुआ है। कारण जवाबदेही के सिस्टम का अभाव है। इस कारण सुविधाओं को मानदंडों के अनुसार प्रदान नहीं किया जाता, कार्यों के पूरा होने में देर होती है, मौजूद सुविधाओं का रखरखाव नहीं किया जाता, और कमियों को समयबद्ध कार्य योजनाओं के जरिए दूर नहीं किया जाता है। और इन सबको लेते हुए ही भारत "विकसित" होने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है!

हर किसान के लिए किफायती फसल बीमा

कांतिलाल मांडोत

-प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) पूरे देश में सूखे, बाढ़, चक्रवात, ओलावृष्टि, कीटों, बीमारियों, बुआई न हो पाने, स्थानीय आपदाओं, जलभराव से होने वाले नुकसान, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और फसल कटाई के बाद होने वाले खास नुकसानों के खिलाफ व्यापक कवरेज देती है। 2026–27 के लिए ?12,200 करोड़ के आवंटन के साथ, पीएमएफबीवाई किसानों की मुश्किलों से निपटने की क्षमता को मजबूत बनाने, उनकी आजीविका की रक्षा करने, आय को स्थिर करने और जलवायु-अनुकूल खेती को बढ़ावा देने का काम जारी रखे हुए है। पिछले 10 वर्षों में, खरीफ 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर रबी 2025-26 तक, 92.46 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावों का भुगतान किया गया है। तकनीक पर आधारित पहलों, जैसे कि 'प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन प्रणाली' (वाईईएस-टेक) और 'वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डेटा सिस्टम' (डब्ल्यूआईएनडीएस) को शामिल करने से दावों का निपटारा तेज, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी हो गया है, जिससे यह योजना और भी मजबूत हुई है।

फसल बीमा के जरिए ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करनाः फसल बीमा किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, खराब मौसम, कीटों और बीमारियों से होने वाले फसल के नुकसान से बचाता है। समय पर मिलने वाला मुआवजा किसानों को आय में अचानक आई कमी से निपटने, नुकसान की भरपाई करने, कर्ज चुकाने और अगली फसल के मौसम में निवेश करने में मदद करता है। यह खेती की क्षमता को मजबूत करता है, आजीविका की रक्षा करता है और अनिश्चित स्थितियों में भी कृषि उत्पादन को जारी रखने में मदद करता है। 18 फरवरी 2016 को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) शुरू की गई थी ताकि ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जा सके। इसमें बुवाई से पहले के जोखिम (जैसे बुवाई न हो पाना या बुवाई का विफल होना), मौसम के बीच में बड़े पैमाने पर खराब हालात, ओलावृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी स्थानीय आपदाएं (अलग-अलग खेतों के स्तर पर), और फसल कटाई के बाद चक्रवात, बेमौसम बारिश और अन्य तय खतरों से होने वाले नुकसान शामिल हैं। ज्यादा से ज्यादा किसानों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रीमियम की दरें कम और किफायती रखी गई हैं। सरकार ने केंद्रीय बजट 2026–27 में पीएमएफबीवाई के लिए ?12,200 करोड़ आवंटित किए हैं, जो फसल बीमा और किसानों को सुरक्षा देने के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पीएमएफबीवाई का असरः एक किसान की हिम्मत की कहानीः असम के नागांव जिले के चनखला गांव के रहने वाले छोटे किसान अनवर हुसैन अपने परिवार की आजीविका के लिए पूरी तरह खेती पर निर्भर हैं। जब भारी बारिश से उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा, तो उन्हें अपने कर्ज चुकाने और अगली बुआई के लिए पैसे जुटाने को लेकर चिंता सताने लगी। अच्छी बात यह थी कि अनवर ने सिर्फ ?100 का मामूली प्रीमियम देकर 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' (पीएमएफबीवाई) में अपना पंजीकरण कराया हुआ था। फसल के नुकसान का आकलन होने के बाद, उन्हें इस योजना के तहत ?50,600 का मुआवज़ा मिला। समय पर मिली इस आर्थिक मदद से उन्हें नुकसान से उबरने, अपना कुछ कर्ज़ चुकाने और अगले सीजन के लिए खेती का जरूरी सामान खरीदने में मदद मिली। इस मदद की वजह से, आर्थिक तंगी में फंसने के बजाय अनवर नए आत्मविश्वास के साथ खेती जारी रख पाए। आज, वह अपने गांव के दूसरे किसानों को भी अपनी फसल का बीमा कराने के लिए जोरदार तरीके से प्रोत्साहित करते हैं और कहते हैं कि पीएमएफबीवाई मुश्किल समय में एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। पीएमएफबीवाई फसल के नुकसान के खिलाफ आर्थिक सुरक्षा देता है और किसानों की आय को स्थिर करने में मदद करता है। यह आधुनिक खेती के तरीकों, फसल विविधीकरण और उत्पादन से जुड़े जोखिमों का सामना करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है।

किसानों के लिए व्यापक कवरेजः पीएमएफबीवाई तय पात्रता शर्तों के आधार पर किसानों (जिसमें किराए पर खेती करने वाले और बटाईदार किसान भी शामिल हैं) को व्यापक फसल बीमा कवरेज देता है। किसानों के पास बीमा योग्य हित, जमीन के वैध दस्तावेज़ या पट्टे के समझौते या राज्य-विशेष की पहले से तय जरूरतों के अनुसार बुवाई के प्रमाण-पत्र होने चाहिए और उन्हें तय समय-सीमा के भीतर आवेदन करना होगा। जोखिम का व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, पीएमएफबीवाई खेती से जुड़े सभी तरह के किसानों—चाहे उन्होंने ऋण लिया हो या नहीं—को कवर करता है। गैर-ऋणी किसान वे होते हैं जिन्होंने फसल के लिए कोई ऋण नहीं लिया है या जिनके पास नॉन-स्टैंडर्ड किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जुड़े ऋण हैं। वे फसल बीमा कवरेज के लिए पीएमएफबीवाई के तहत अपनी मर्जी से पंजीकृत कर सकते हैं। पिछले 10 सालों में, औसतन 50त्न किसानों ने गैर-ऋणी किसानों के तौर पर अपनी इच्छा से पंजीकरण किया है, जिससे इस योजना में किसानों का भरोसा बढ़ा है। ऋणी किसान वे होते हैं जो बैंकों या वित्तीय संस्थानों से मौसमी फसल ऋण लेते हैं, और उनके ऋण या केसीसी चालू और स्टैंडर्ड होते हैं। उनके प्रीमियम संबंधित बैंकों द्वारा ऋण की रकम से अपने-आप काट लिए जाते हैं। पीएमएफबीवाई आम तौर पर फसल को नुकसान या बर्बादी पहुंचाने वाली सभी प्राकृतिक और मौसमी आपदाओं के लिए व्यापक जोखिम कवर देता है, बशर्ते फसल का बीमा कराया गया हो और तय समय-सीमा के भीतर बीमा कंपनी को प्रीमियम का भुगतान कर दिया गया हो। हालांकि, गैर-नोटिफाइड इलाकों में फसल का नुकसान, कवर की गई फसल की लाइफ-साइकिल के बाहर (यानी, बुवाई से पहले और खेत से फसल हटाने के बाद) होने वाला नुकसान, और लापरवाही या इंसानों की वजह से होने वाले या रोके जा सकने वाले रिस्क से होने वाले नुकसान इसमें कवर नहीं किए जाते हैं।

जोखिम कवरः पीएमएफबीवाई खेती और कटाई के अलग-अलग चरणों में फसल के नुकसान के खिलाफ कवरेज देता हैः पैदावार में नुकसान (खड़ी फसलें, अधिसूचित क्षेत्र के आधार पर)ः पीएमएफबीवाई सूखे, बारिश न होने, बाढ़, जल-जमाव, चक्रवात, ओलावृष्टि, बिजली गिरने, कीटों और बीमारियों जैसे जोखिमों के खिलाफ क्षेत्र-आधारित कवरेज देता है, जिन्हें रोका नहीं जा सकता।

बुआई न हो पानाः जिन बीमित किसानों ने खर्च तो किया है लेकिन खराब मौसम के कारण बुआई नहीं कर पाए, वे बीमित राशि के अधिकतम 25त्न तक के दावे के हकदार होंगे।

कटाई के बाद का नुकसानः खेत में सूखने के लिए "काटकर फैलाई गई" फसलों को कटाई के बाद 14 दिनों तक खास चक्रवाती और बेमौसम बारिश की घटनाओं से होने वाले नुकसान के खिलाफ कवर किया जाता है।

स्थानीय आपदाएंः ओलावृष्टि, भूस्खलन, जल-जमाव, बादल फटने और प्राकृतिक आग से खेत-स्तर पर होने वाले नुकसान को खास शर्तों के तहत कवर किया जाता है।

हालांकि, पीएमएफबीवाई में युद्ध, परमाणु जोखिम, दंगे, चोरी, कटाई के बाद की खास स्थितियों और रोके जा सकने वाले अन्य जोखिमों से होने वाले नुकसान शामिल नहीं हैं।

पीएमएफबीवाई के तहत प्रगति और उपलब्धियांः हाल के वर्षों में पीएमएफबीवाई के तहत किसानों की भागीदारी, बीमा कवरेज और संस्थागत पहुंच में काफी विस्तार हुआ है। किसान खरीफ फसलों के लिए अधिकतम 2त्न और रबी की अनाज व तिलहन फसलों के लिए 1.5त्न प्रीमियम देते हैं। वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के लिए अधिकतम प्रीमियम 5त्न है। केंद्र और राज्य सरकारें बाकी प्रीमियम का खर्च 50:50 के अनुपात में सब्सिडी के तौर पर उठाती हैं। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के किसानों के लिए, केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी का योगदान 90:10 के अनुपात में होता है। प्रीमियम का यह किफायती ढांचा देश भर के किसानों के एक बड़े हिस्से तक फसल बीमा पहुंचाने में मददगार साबित हुआ है। पीएमएफबीवाई को अभी खरीफ 2026 में 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा रहा है। शुरुआत से अब तक, 92.46 करोड़ से ज्यादा किसान आवेदनों का बीमा किया गया है और 26.33 करोड़ से ज्यादा किसान आवेदनों के लिए ?2.06 लाख करोड़ से ज्यादा के दावे दिए गए हैं। खरीफ 2025 में, फसल बीमा के तहत 229.77 लाख किसानों और 269.38 लाख हेक्टेयर जमीन को कवर किया गया, जिससे फसल से जुड़े जोखिमों के खिलाफ़ सुरक्षा मिली। खरीफ 2026 के लिए किसानों का एनरोलमेंट और बीमा किया गया क्षेत्र, खरीफ 2025 के स्तर से पहले ही आगे निकल गया है। 27 अगस्त 2026 तक, 241.38 लाख किसानों और 278.12 लाख हेक्टेयर जमीन का बीमा किया जा चुका है, जो फसल बीमा कवरेज के लगातार बढ़ते दायरे को दिखाता है। खरीफ 2025 के लिए, 60.89 लाख पात्र किसानों को ?9,837.61 करोड़ के दावे पहले ही दिए जा चुके हैं, जिससे फसल के नुकसान के खिलाफ जरूरी आर्थिक मदद मिली है। 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर नामांकन अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जिसमें 15.23 करोड़ से ज्यादा किसान आवेदनों के जरिए 4 करोड़ से ज्यादा किसानों का बीमा किया गया और 623 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन को कवर किया गया।

क्या महिलाएं आज भी सुरक्षित हैं?

सुनील कुमार महला

(दिल्ली में चलती स्लीपर बस में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना)

हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार घटना के आरोपी बस चालक और कंडक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा बस को भी जब्त कर लिया गया है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर देश में महिलाएं और बालिकाएं कितनी सुरक्षित हैं? इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिस बस में यह हैवानियत हुई, वह करीब 47 किलोमीटर तक चलती रही, लेकिन इस दौरान न तो बस को किसी चेकपोस्ट पर रोका गया और न ही किसी स्तर पर ऐसी कोई निगरानी सामने आई, जिससे इस अपराध को समय रहते रोका जा सकता।

मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आरोपी बस चालक और कंडक्टर दोनों ही कानपुर के रहने वाले हैं, जबकि पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली और कक्षा 11वीं की छात्रा है। घटना 4 अगस्त की रात की बताई जा रही है, जो अब सामने आई है। बताया जाता है कि छात्रा किसी बात को लेकर अपने परिजनों से नाराज होकर बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। बारिश और अंधेरे के कारण वह गलती से परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक खाली स्लीपर बस को देखकर उसने रुकने का इशारा किया। चालक ने बस रोककर उसे उसमें बैठा लिया। आरोप है कि इसके बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, चालक और कंडक्टर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बस में पर्दे लगे हुए थे और कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे। सवाल यह है कि करीब 47 किलोमीटर के लंबे सफर के दौरान बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ यह जघन्य अपराध होता रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि इतने लंबे रास्ते में बस किसी चेकपोस्ट या निगरानी बिंदु पर क्यों नहीं रोकी गई? यदि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में निगरानी के पर्याप्त इंतजाम होते, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय होते और बसों की नियमित जांच की जाती, तो संभव है कि इस घटना को समय रहते रोका जा सकता था।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है। पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में व्यापक बदलाव किए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के माध्यम से बलात्कार से संबंधित कानूनी प्रावधानों को अधिक कठोर बनाया गया तथा यौन उत्पीड़न, पीछा करना (स्टॉकिंग), ताक-झांक (वॉययूरिज्म), तेजाब हमला और महिला को निर्वस्त्र करने जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से दंडनीय बनाया गया। गंभीर परिस्थितियों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया। बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से निर्भया फंड के माध्यम से भी कई पहल की गईं। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या केवल कानूनों को कठोर बना देने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है? दिल्ली में निजी बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर उसे बाहर फेंक दिए जाने की घटना बताती है कि कानून की कठोरता और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक बड़ी खाई मौजूद है। वास्तव में, कानून तभी प्रभावी होगा, जब अपराधी को उसके उल्लंघन का त्वरित और निश्चित परिणाम दिखाई दे। यदि अपराधी को यह विश्वास हो जाए कि वह निगरानी व्यवस्था को आसानी से चकमा दे सकता है, तो कठोर कानून का भय भी कमजोर पड़ जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर चिंता पैदा करते रहे हैं। विशेष रूप से वर्ष 2013 के बाद के वर्षों में बलात्कार के मामलों का आंकड़ा इस समस्या की गंभीरता की ओर संकेत करता है। ऐसे में 4 अगस्त की रात हुई यह घटना केंद्र सरकार से लेकर दिल्ली प्रशासन और पुलिस की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करती है। दरअसल, महिलाओं की सुरक्षा केवल पुलिस, कानून या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, प्रशासन और स्वयं महिलाओं, या यूं कहें कि ये हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, प्रभावी और सक्रिय सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षित एवं विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन तथा त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करना बहुत ही जरूरी व आवश्यक है। इसके अलावा बसों में लगे सीसीटीवी और जीपीएस की नियमित निगरानी होनी चाहिए तथा खराब उपकरणों को तत्काल दुरुस्त कराया जाना चाहिए। (सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मेहनत जारी रखनी होगी, सफलता जल्द ही आपके कदम चूमेगी। आज आप उन चीजों को महत्व देंगे जो आपके लिए महत्वपूर्ण है। आप अपने परिवार और काम के बीच में संतुलन बनाए रखेंगे। आज आपके मन मुताबिक काम होगा। इस राशि के जो लोग पर्यटन क्षेत्र से जुड़े है।

वृषभ राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपकी मेहनत और लगन से आपका अधूरा काम पूरा हो जायेगा। किसी जरूरतमंद को वस्त्र दान करेंगे लोग आपकी कद्र करेंगे। बिजनेस के काम की वजह से आपको दूसरे शहर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज आपको किसी मित्र के यहां फंक्शन में शामिल होने का मौका मिलेगा। आज आपका दाम्पत्य जीवन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। क्रॉकरी का बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस है। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, जिससे रिलेक्स महसूस करेंगे। घर खरीदने का प्लान बना रहे लोगों को आज कामयाबी मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रुचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनायेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास अच्छा रहेगा। आज आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए कोचिंग जॉइन करेंगे। इस राशि के जो लोग पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनको कंपनी की तरफ से विदेश टूर पर जाने का मौका मिलेगा। होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रहे छात्रों को जॉब के लिये कोई बड़ा ऑफर मिलेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। ऑफिस में आपके हार्डवर्क को देखते हुए बॉस आपकी सैलरी में इन्क्रीमेंट कर सकते हैं। जॉब की तैयारी कर रहे छात्रों की मेहनत आज रंग लाएगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। लवमेट आज कहीं घूमने जायेंगे, एक दूसरे को उपहार भी देंगे।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आप प्रॉपर्टी डीलर है, तो आपको आज अधिक फायदा होगा। काम के प्रति भागदौड़ बनी रहेगी, धैर्य के साथ काम को अच्छे तरीके से करें। आप फिजूल की बातों पर बहस मत करें, बेहतर होगा की आवश्यकता पडऩे पर ही बात करें। मन शांत रहेगा। महिलाएं आज अपने कामों में बिजी रहेंगी।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। ग्राफिक डिजाईन के स्टूडेंट्स आज कुछ नया क्रिएटिव करेंगे, साथ ही अपने जूनियर्स को भी सिखायेंगे। आज आप किसी कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए अपने दोस्त के साथ जायेंगे। आज आप अपने अधूरे कामों को पूरा करके नए काम पर भी ध्यान देंगे। बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटीज मिलेगी। आपके परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। आप ऐसे लोगों से मिलेंगे, जो भविष्य में आपकी मदद करेंगे। इम्पोर्टेन्ट वर्क पूरा करने में ध्यान भटक सकता है, इसलिए अपने काम को कॉन्सन्ट्रेट होकर करें।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको मित्रों से कुछ बेहतर सलाह मिलेगी। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, पढ़ाई में मन लगेगा। किसी अनुभवी की सलाह से आपको धन लाभ मिलेगा। विवाहित लोग कही घूमने जाएंगे जिससे उनके रिश्तों में मधुरता आयेगी।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। आज अपने काम पर फोकस करें, काम सफल होगा। मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों को आज इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। आज आप अपने बच्चों को उपहार देंगे। बच्चों का मन प्रसन्न होगा। अगर आप प्रॉपर्टी डीलर हैं, तो आपको फायदा होगा।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन बेहद ही सुनहरा रहेगा। समाज में आपके कामों की तारीफ होगी, आपका लोगों पर इम्प्रेशन अच्छा जमेगा। घर के डेकोरेशन का वर्क करवाने के लिए आप अपने परिवार वालों से सलाह लेकर काम करवाएंगे। माता-पिता का सहयोग मिलेगा उनके साथ आप किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जायेंगे। आज आपका माइंड फ्रेश रहेगा, स्वास्थ्य भी फिट एंड फाइन रहेगा।

देश की बाकी आबादी को भी सोचने मजबूर किया

अजीत द्विवेदी

चुनावी राजनीति का विमर्श बदल रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी भले राजनीतिक दल नहीं बनी है और बने तो हो सकता है कि कामयाब नहीं हो पाए। लेकिन उसने देश के राजनीतिक विमर्श को बदल दिया है। जंतर मंतर पर सीजेपी के आंदोलन ने एक नए विमर्श को जन्म दिया है, जिसमें एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी यानी 'ट्रिपल ईó केंद्र में हैं। इससे पहले राजनीति का विमर्श जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के इर्द गिर्द घूमता था। उसमें भ्रष्टाचार और विकास का मुद्दा भी जरुरत के हिसाब से शामिल होता था। लेकिन मुख्य रूप से सामाजिक समीकरण, धार्मिक ध्रुवीकरण और क्षेत्रीय भावनाओं या उप राष्ट्रीयता की भावना के इर्द गिर्द चुनाव का ताना बाना बुना जाता था। इसी आधार पर मुद्दे तय किए जाते थे, उम्मीदवारों का चयन होता था और नेताओं के भाषण होते थे। अब इसमें बदलाव आ रहा है। विमर्श के नए मुद्दे आ रहे हैं और नेताओं के भाषण बदल रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपवाद हैं, जिनका भाषण अब भी बाबर, औरंगजेब, सालार गाजी या व्यापक रूप से मुस्लिम विरोध के इर्द गिर्द होता है। बहरहाल, देश के बदलते राजनीतिक विमर्श को दो हिस्सों में बांट कर देखने की जरुरत है। पहला हिस्सा तो वह है, जो जंतर मंतर पर आंदोलन के दौरान युवाओं के आक्रोश में अभिव्यक्त हुआ। युवा जिस अंदाज में अपनी नाराजगी व्यक्त

कर रहे थे और बिना किसी शर्मिंदगी के प्रधानमंत्री तक को निशाना बना रहे थे वह एक पहलू है। उससे नेताओं और पार्टियों को लगा और यह सही भी है कि एक नई पीढ़ी अपनी खास पहचान के साथ राजनीतिक क्षितिज पर उभरी है। उसने जाति, धर्म, क्षेत्र और यहां तक कि लिंग की पहचान छोड़ दी है। उसे 'जेन जीó की पहचान दी गई और उसे एड्रेस करने की कोशिश शुरू हुई। मुश्किल यह है कि ज्यादातर नेता उनके आचार, व्यवहार, भाषा और सरोकार को नहीं समझते हैं। इसलिए उन्होंने 'जेन जीó को समझने का अपना एक स्टीरियोटाइप विकसित किया और उन्हें उसी से देखना शुरू किया। अगर नेता अपने परिवार में देखते और अपने बच्चों के व्यवहार से 'जेन जीó को समझने का प्रयास करते तो उनको पता चलता कि वे 'जेन जीó को लुभाने के लिए वे जो कर रहे हैं वह कितना पैथेटिक और ऑफ द मार्क है। 'जेन जीó को लुभाने के लिए नेता जो प्रयास कर रहे हैं उससे वे एक पूरी पीढ़ी को शर्मिंदा कर रहे हैं और खुद एक मूर्ख के रूप में उनके सामने प्रस्तुत हो रहे हैं। इसलिए उनको यह प्रयास बंद करना चाहिए और इस पीढ़ी की ओर से उठाए जा रहे मुद्दे या उनके सरोकारों को समझना चाहिए। यही बदलते राजनीतिक विमर्श का दूसरा पहलू है। वह मुद्दों और सरोकारों से जुड़ा है। वह सरोकार 'ट्रिपल ईó का है। तभी एजुकेशन, एम्प्लायमेंट और एनर्जी पर युवाओं व देश के लोगों के सरोकारों को समझने की जरुरत है। दिल्ली से लेकर झारखंड और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र व बिहार तक ये ही मुद्दे अभी विमर्श का मुख्य विषय हैं। इसमें 'जेन जीó और 'जेन अल्फाó दोनों शामिल हैं। उनको अच्छी शिक्षा चाहिए, जिसके लिए वे दबाव डाल रहे हैं। इससे पहले बच्चों ने यानी छात्रों ने यह मुद्दा हाथ में नहीं लिया था। शिक्षा को वे अभिभावकों और शिक्षकों पर छोड़े हुए थे। स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, शिक्षक की कमी है, समय पर शिक्षक नहीं आते हैं, स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ाई का कैलेंडर फॉलो नहीं किया जाता है, समय पर परीक्षा नहीं होती है, परीक्षा होती है तो उसमें गड़बड़ी हो जाती है, इन तमाम मुद्दों पर छात्र आंदोलित नहीं होते थे। ले किन अब तस्वीर बदल गई है। अब स्कूली बच्चे भी ये मुद्दे उठा रहे हैं। अच्छी बात यह है कि वे अपने अभिभावकों के सामने नहीं, बल्कि सड़क पर उतर कर ये मुद्दे उठा रहे हैं। मजबूरी में नेताओं और राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर बात करनी पड़ रही है। अभी तो सिर्फ बात हो रही है और आश्वासन दिए जा रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में आश्वासनों को पूरा भी करना होगा। दूसरा सरोकार एम्प्लायमेंट यानी नौकरी और रोजगार का है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेहतर जीवन स्तर के लिए या कमजोर आर्थिक तबके के लोगों के सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था में ऊपर आने के लिए सम्मानजक नौकरी से बेहतर कोई और तरीका नहीं है। परंतु पिछले कुछ समय से अलग अलग कारणों से नौकरी और रोजगार दोनों में लगातार कमी होती जा रही है। इसका नतीजा नीति आयोग की रिपोर्ट में दिखाई दिया, जिसमें कहा गया है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई नौकरी कर रहे हैं। यानी कुछ भी नहीं कर रहे हैं। इन 8.7 करोड़ युवाओं के अलावा इसी उम्र वर्ग के इससे कम से कम दोगुने युवा पढ़ाई कर रहे हैं और नौकरी व रोजगार हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। वे भी अब तक नौकरी आने का इंतजार करते थे और पेपर लीक या परीक्षा में गड़बड़ी या परीक्षा में धांधली या परीक्षा रद्द होने को नियति मान कर चुप बैठे रहते थे।

लेकिन अब उनकी चुप्पी टूटी है। जंतर मंतर के प्रदर्शन ने उनको रास्ता दिखाया है। वे नौकरी के हर विज्ञापन को बारीकी से देख रहे हैं। उसकी कमियां सामने ला रहे हैं। सरकारों पर दबाव बना रहे हैं कि वह नौकरी या दाखिले के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं का कैलेंडर जारी करें और उसका पूरी तरह से पालन करें। वैकेंसी बढ़ाने से लेकर परीक्षा कराने के तरीके पर छात्र सरकारों से बात कर रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक पिछले एक दशक में केंद्र सरकार में खाली पदों की संख्या सवा चार लाख से दोगुनी होकर साढ़े आठ लाख हो गई है। ऐसी ही स्थिति राज्य सरकारों की भी है। युवा अब इसको मुद्दा बना रहे हैं। तीसरा सरोकार एनर्जी का है। शिक्षा और नौकरी तो आपस में जुड़े हुए हैं लेकिन एनर्जी उससे बिल्कुल अलग है। लेकिन यह भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा इसलिए बना है क्योंकि हाल की कई घटनाओं ने ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की कमजोरियों को जाहिर किया है। ईरान और अमेरिका की जंग ने आपूर्ति के संकट को उजागर किया तो इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाडिय़ों को होने वाले नुकसान की जानकारी भी लोगों को मिली और इथेनॉल मिश्रण से खाद्यान्न संकट का जो दौर आएगा, उसकी भी एक झलक लोगों को मिली। अगर शिक्षा व नौकरी ने युवाओं को आंदोलित किया तो ऊर्जा की बढ़ती कीमत, आपूर्ति के संकट, गाडिय़ों के इंजन की परेशानी, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत और संभावित खाद्यान्न संकट ने युवाओं के साथ साथ देश की बाकी आबादी को भी सोचने पर मजबूर किया। इसका असर यह हुआ है कि सरकारें भी स्वच्छ ऊर्जा को लेकर गंभीर हुई हैं तो इथेनॉल मिश्रण को कम करने पर भी विचार हो रहा है। अगर ये सरोकार लंबे समय तक राजनीतिक विमर्श में टिकते हैं और चुनाव के नतीजों को प्रभावित करते हैं तो देश में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत से भिड़ने के एक महीने बाद जापान और सिंगापुर से मैत्री मुकाबले खेलेगी ब्राजीलियाई फुटबॉल टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील नवंबर में एशियाई टीमों के खिलाफ अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाएगा। ब्राजील फुटबॉल संघ ने गुरुवार को घोषणा की कि टीम नवंबर के अंतरराष्ट्रीय विंडो में जापान और सिंगापुर के खिलाफ मैत्री मुकाबले खेलेगी। कार्लो एंसेलोटी की टीम सितंबर-अक्टूबर की अंतरराष्ट्रीय विंडो में ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ मुकाबले खेलेगी। इसके बाद नवंबर में ब्राजील का सामना 14 नवंबर को जापान और 17 नवंबर को सिंगापुर से होगा। दोनों मुकाबले सिंगापुर के नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

कोच एंसेलोटी ने कहा कि सिंगापुर में होने वाले ये मैत्री मुकाबले आने वाले वर्षों के लिए ब्राजील की राष्ट्रीय टीम तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। जापान और सिंगापुर के खिलाफ मुकाबलों से टीम को अलग-अलग परिस्थितियों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि टीम अपनी पहचान मजबूत करने और विकल्पों का विस्तार करने पर काम कर रही है। लक्ष्य संतुलन के साथ लगातार सुधार करना और आने वाली बड़ी चुनौतियों के लिए टीम को तैयार करना है। ब्राजील और जापान के बीच मुकाबला 2026 फीफा विश्व कप के अंतिम-32 दौर की भिड़ंत की पुनरावृत्ति भी होगा। उस मुकाबले में गैब्रियल मार्टिनेली ने अंतिम क्षणों में गोल कर ब्राजील को 2-1 से जीत दिलाई थी। जापान के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने कहा कि टीम इस अवसर का पूरा लाभ उठाकर अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा कि जापान अगले साल जनवरी में होने वाले एएफसी एशियाई कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। सिंगापुर में फुटबॉल को लेकर उत्साह का जिक्र करते हुए मोरियासु ने कहा कि विश्व कप के दौरान सिंगापुर और अन्य एशियाई देशों के कई लोगों ने जापान का समर्थन किया था। उन्होंने ऐसे फुटबॉल प्रेमी देश में खेलने का मौका मिलने पर खुशी जताई। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की शुरुआत सिंगापुर और पैराग्वे के बीच 13 नवंबर को नेशनल स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से होगी। इसके अगले दिन जापान और ब्राजील आमने-सामने होंगे।

कोपा अर्जेंटीनाः लियोनेल मेसी के सम्मान में 10वें मिनट में रोका गया मुकाबला

एजेंसी, कोर्डोबा

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद कोपा अर्जेंटीना के मुकाबले में भावुक विदाई दी गई। वेलेज़ सार्सफील्ड और बोका जूनियर्स के बीच खेले गए मुकाबले को 10वें मिनट में कुछ देर के लिए रोककर मेसी को सम्मानित किया गया। एस्टाडियो मारियो अल्बर्टो केम्पेस में मौजूद दर्शक अपनी जगह से खड़े हो गए और अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी के सम्मान में तालियां बजाईं। मेसी ने 2026 फीफा विश्व कप के बाद अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को विराम देने का फैसला किया है। सम्मान समारोह के दौरान मेसी के पूर्व अंतरराष्ट्रीय साथी लियान्द्रो पारेदेस और मैनुएल लान्जिनी भी मैदान पर मौजूद थे।

मुकाबला निर्धारित समय में गोलरहित 0-0 से बराबर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट में बोका जूनियर्स ने 4-3 से जीत दर्ज की। रोसारियो के इस दिग्गज खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के लिए 207 मैचों में 125 गोल और 68 असिस्ट के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत किया। उनके 21 साल लंबे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2022 में कतर में अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप खिताब दिलाना रही। मेसी ने 2021 और 2024 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका का खिताब भी दिलाया। 2021 की जीत के साथ अर्जेंटीना ने 28 साल से चले आ रहे अपने बड़े खिताबी सूखे को समाप्त किया था। यह दूसरी बार है, जब मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की है। उन्होंने इससे पहले 2016 में अर्जेंटीना के कप्तान के रूप में लगातार तीन फाइनल हारने के बाद संन्यास का ऐलान किया था। हालांकि, कुछ समय बाद उन्होंने अपना फैसला बदल दिया था और राष्ट्रीय टीम में वापसी की थी।

एशियाई खेलों की तैयारी के लिए स्मार्ट ट्रैक का सहारा ले रहे एथलीट

एजेंसी, नई दिल्ली

19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारतीय एथलीट अभ्यास के लिए अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहे हैं। इसी के तहत ही इन एथलीटों को बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में एक विशेष 'स्मार्ट ट्रैक' उपलब्धि कराया गया है। इस ट्रैक पर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले और लंबी दूरी की धाविका पारुल चौधरी सहित आठ एथलीट अभ्यास कर रहे हैं। इनका ये अभ्यास शिविर 8 सितंबर तक चलेगा। इससे इनकी, प्रदर्शन क्षमता बेहतर होगी। इस उच्च-स्तरीय शिविर को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत मंजूरी दी गई है। इसमे शामिल सभी एथलीटों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ये प्रतिभाशाली एथलीटों को समर्थन देने का खेल विभाग का प्रयास है। शिविर में शामिल अन्य प्रमुख एथलीटों में 800 मीटर के धावक कृष्ण कुमार, डेकाथलॉन एथलीट तौफीक एन, ऊंची कूद के एथलीट आदर्श राम और सुप्रिया बी, तथा पैदल चाल की खिलाड़ी मंजू रानी और प्रियंका शामिल हैं। ये सभी एथलीट अपने-अपने इवेंट्स में उत्कृष्टता प्राप्त करने और एशियाई खेलों में देश के लिए पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। गौरतलब है कि साइ एनसीओई बेंगलुरु में स्थापित यह 'स्मार्ट ट्रैक' भारत में अपनी तरह का पहला है, जो एथलीटों के प्रशिक्षण में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

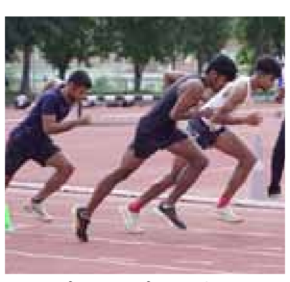

आईसीसी ने पहली महिला चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी भारत को सौंपी

एजेंसी, दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि साल 2027 में पहली आईसीसी महिला चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन भारत में किया जाएगा। इससे पहले इसकी मेजबानी श्रीलंका को दी गयी थी पर आईसीसी ने बोर्ड के कामकाज में सरकारी हस्तक्षेप के आरोप लगाते हुए श्रीलंकाई बोर्ड से मेजबानी वापस ले ली थी। अब चैम्पियंस ट्रॉफी भारत में 14 से 28 फरवरी 2027 तक मुंबई और वडोदरा में खेली जाएगी। मुंबई में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ये मुकाबले होंगे। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में दुनिया की छह शीर्ष महिला क्रिकेट टीमें भागी लेंगी, जिनमें मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, मेजबान भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं। इन सभी छह टीमों को आईसीसी रैंकिंग के आधार पर प्रवेश मिला है। ये टूर्नामेंट एक रोमांचक राउंड-रॉबिन लीग प्रारुप में खेला जाएगा, यहां हर टीम दूसरी टीम से एक बार खेलेगी। इसमें लीग चरण के मुकाबलों के बाद, अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमें 28 फरवरी को होने वाले फाइनल में मुकाबला करेंगी। यह टूर्नामेंट मूल रूप से श्रीलंका में आयोजित होना था उससे वापस लिए जाने के बाद बांग्लादेश, भारत और दक्षिण अफ्रीका के नाम पर विचार हुआ।

भारत दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाना चाहते हैं मर्फी

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई ए टीम के ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फी को उम्मीद है कि आगामी भारत दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बना सकते हैं। मर्फी का लक्ष्य तीनों ही प्रारुपों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में अपनी दावेदारी मजबूत करना है। मर्फी ऑस्ट्रेलिया ए टीम की ओर से इंडिया ए के खिलाफ चार-दिवसीय और एक-दिवसीय दोनों ही मैचों की सीरीज के लिए शामिल किये गये हैं। उन्हें 22 सितंबर से 11 अक्टूबर तक पुडुचेरी में होने वाले दो चार-दिवसीय और तीन एक-दिवसीय मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह अगले साल जनवरी और फरवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम के भारत दौरे के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। इस खिलाड़ी का मानना है कि लाल गेंद वाला मैच उन हालातों की तैयारी के लिए अहम हैं, जिनका सामना उन्हें संभावित टेस्ट दौरे पर करना पड़ सकता है। सीए की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने हाल ही में कहा, उन हालातों में खेलने और वहां अपने कौशलको बेहतर बनाने का कोई भी मौका बहुत अहम होता है। मर्फी ने साथ ही कहा कि इन ए दौरों का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को भारत के हालात और माहौल से परिचित कराना है, ताकि यदि उन्हें टेस्ट दौरे पर मौका मिले, तो वे उन हालातों को जान सकें। उन्होंने पिछले साल के अनुभव से काफी कुछ सीखने की बात कही और इस साल भी उसे बेहतर करने की उम्मीद जताई।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज की मजबूत शुरुआत, निवेशक फायदे में

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) कंपनी ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 82 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 32.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 109 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 34.15 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 110 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में हुई बिकवाली के कारण ये शेयर लुढ़क कर 106.48 रुपये के स्तर तक आ गया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही लिवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 119 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर के भाव में एक बार फिर गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद ये शेयर 110.39 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 28.39 रुपये यानी 34.62 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 700 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 31 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 124.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 232.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 185.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 40.27 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 12.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,53,65,851 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 500 करोड़ रुपये के 6,09,75,609 नए शेयर बिके हैं, जबकि लगभग 200 करोड़ रुपये के 2,43,90,242 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए मशीनरी और इक्विपमेंट्स की खरीदारी करने, सिविल वर्क और इंटीरियर सेटअप डेवलप करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 86.61 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 124.59 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 160 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

भारत-न्यूज़ीलैंड व्यापार समझौता अगले महीने से होगा लागू

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अगले महीने से लागू हो जाएगा। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर 27 अप्रैल को हस्ताक्षर किए गए थे। अधिकारी सूत्रों ने गुरुवार को दी जानकारी में बताया है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए अगले महीने से लागू होगा। यह समझौता अगले महीने दोनों देशों की आपसी सहमति से तय तारीख को लागू होगा। अधिकारी ने बताया कि द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों देशों ने 27 अप्रैल को वस्तुओं एवं सेवाओं के मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। एफटीए के तहत न्यूजीलैंड में भारत के 100 फीसदी निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत और न्यूज़ीलैंड ने सामान और सेवाओं के आपसी व्यापार को बढ़ाने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए 27 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एफटीए पर हस्ताक्षर किए थे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में कमजोरी का दौर लगातार जारी है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना आज 1,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,070 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत आज 2,400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गिर गई है। चांदी भी आज ज्यादातर सर्राफा बाजार में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण लगातार तीन दिन की गिरावट से उबरते हुए वॉल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 295.01 अंक यानी 0.56 प्रतिशत उछल कर 53,061.89 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,666.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 118.05 अंक यानी 0.45 प्रतिशत उछल कर 26,217.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,110.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,756.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,280.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 130.78 अंक यानी 0.51 प्रतिशत टूट कर 25,839.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

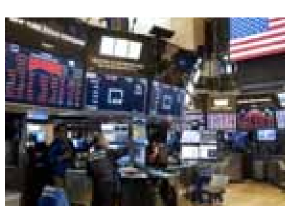

वैश्विक व्यवधान के बावजूद भारत की 7.8 फीसदी ग्रोथ शानदारः सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दुनियाभर में आई मुश्किलों के बावजूद भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में 7.8 फीसदी की "शानदार ग्रोथ" दर्ज की है। इसके साथ ही तमाम चुनौतियों के बावजूद यह दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को 'एक्स' पर जारी पोस्ट में बताया कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को न्यूयॉर्क में बैंक ऑफ़ अमेरिका के साथ मिलकर भारत के महावाणिज्य दूतावास के द्वारा आयोजित एक उच्च-स्तरीय व्यावसायिक गोलमेज बैठक में निवेशकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। निर्मला सीतारमण ने निवेशकों से कहा, "दुनियाभर में आई मुश्किलों और तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 फीसदी की शानदार विकास दर दर्ज की है। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सुधारों पर जोर देते हुए भारत ने कई सुधारों (जैसे इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) के जरिए रेगुलेटरी निश्चितता भी प्रदान की है। ऐसे सुधारों से नियमों का पालन करना आसान हुआ है और कागजी काम कम हुआ है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से पहले 10 मिनट के कारोबार में मामूली गिरावट का रुख भी बना, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 154.60 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,724.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण कुछ ही देर में यह सूचकांक फिसल कर 76,705.02 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 296.05 अंक यानी 0.39 प्रतिशत उछल कर 76,866.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 83.50 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की छलांग लगा कर 23,997.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक लुढ़क कर 23,955.35 अंक के स्तर पर आ गया।

माधवन की जीवनीपरक फिल्म 'जीडीएन' का डिजिटल डेब्यू ; जन्माष्टमी पर 5 भाषाओं में होगी स्ट्रीम

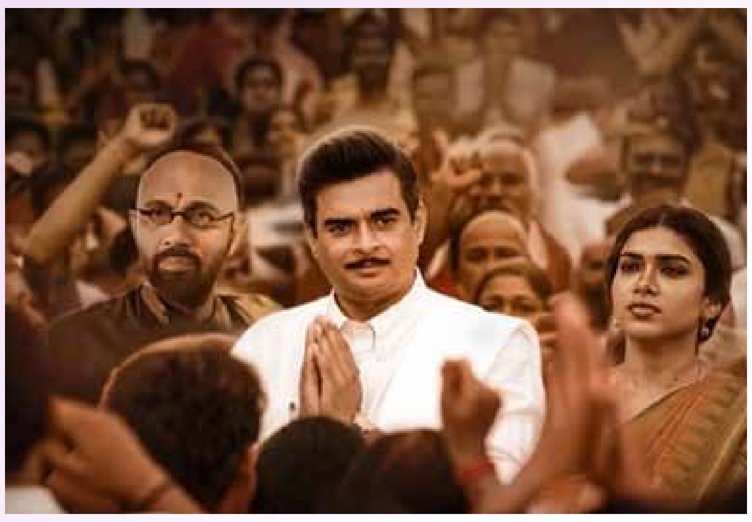

भारतीय सिनेमा के बहुमुखी अभिनेता आर. माधवन की बहुप्रतीक्षित जीवनीपरक (बायोपिक) फिल्म 'जीडीएन' (GDN) ने सिनेमाघरों में अपनी छाप छोड़ने के बाद अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने की पूरी तैयारी कर ली है। कृष्णकुमार रामकुमार के कुशल लेखन और निर्देशन में बनी यह फिल्म आगामी 4 सितंबर को प्रसिद्ध ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर होने वाला यह डिजिटल प्रीमियर दर्शकों के लिए एक बड़ा उपहार साबित होगा, जिससे लोग इस प्रेरणादायक कहानी को अपने घरों में आराम से देख सकेंगे। निर्माताओं ने इस फिल्म को एक व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का बड़ा फैसला लिया है। 'जीडीएन' नेटफ्लिक्स पर मूल तमिल भाषा के साथ-साथ हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी पांच प्रमुख भारतीय भाषाओं में डब करके प्रदर्शित की जाएगी। सिनेमाघरों में 7 अगस्त को प्रदर्शित होने के बाद से ही इस फिल्म की डिजिटल रिलीज को लेकर सिनेप्रेमी उत्सुक थे, और अब यह इंतजार समाप्त होने वाला है।

'भारत के एडिसन' जी.डी. नायडू की जीवनगाथाः यह फिल्म भारत के महान आविष्कारक, इंजीनियर और दूरदर्शी उद्योगपति जी.डी. नायडू (गोपालस्वामी दोरईस्वामी नायडू) के असाधारण जीवन और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों पर आधारित है। जी.डी. नायडू को भारतीय उद्योग जगत और विज्ञान के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए 'भारत का एडिसन' कहा जाता है। फिल्म में आर. माधवन ने जी.डी. नायडू का मुख्य किरदार निभाया है, जिसमें उनका लुक और अभिनय दर्शकों को गहराई से प्रभावित करता है। फिल्म की कहानी एक आम इंसान के एक स्वतंत्र नवप्रवर्तक (इनोवेटर) बनने के संघर्षपूर्ण सफर को बेहद खूबसूरती से बयां करती है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे संसाधनों की कमी और उस दौर की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद नायडू ने अपने तकनीकी कौशल और नए विचारों से भारत में कई बड़े आविष्कार किए। फिल्म केवल उनकी सफलताओं की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस दौर के विरोधों, आर्थिक चुनौतियों, प्रशासनिक बाधाओं और कठिन परिस्थितियों को भी उजागर करती है, जिनका सामना करते हुए उन्होंने कभी अपने कदम पीछे नहीं हटाए।

मजबूत स्टार कास्ट और तकनीकी गुणवत्ताः 'जीडीएन' का निर्माण 'वर्गीस मूलन पिक्चर्स' और 'ट्राइकलर फिल्म्स' के प्रतिष्ठित बैनर तले किया गया है। निर्माण पक्ष ने फिल्म के कैनवास और प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए भारी भरकम प्रयास किए हैं। फिल्म में न केवल 20वीं सदी के भारत के माहौल को बखूबी दिखाया गया है, बल्कि उस समय के यांत्रिक विकास को भी सटीक रूप से री-क्रिएट किया गया है। आर. माधवन के अलावा इस फिल्म में भारतीय सिनेमा के कई दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। बहुभाषी अभिनेता सत्यराज, बहुमुखी कलाकार जयराम और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री प्रियामणि ने फिल्म में बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिकाएं निभाई हैं। इन मंझे हुए कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म के नाटकीय प्रभाव और अभिनय के स्तर को काफी ऊंचा उठा दिया है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नया उत्साह

सिनेमाघरों में अपनी सीमित अवधि के दौरान फिल्म को आलोचकों और इतिहास प्रेमी दर्शकों से काफी सराहना मिली थी। कई फिल्म विश्लेषकों का मानना था कि जी.डी. नायडू जैसी महान शख्सियत की कहानी को घर-घर तक पहुंचना चाहिए। नेटफ्लिक्स पर इसके बहुभाषी प्रीमियर के बाद यह फिल्म दुनिया भर के लाखों दर्शकों तक आसानी से पहुंच सकेगी।

एक ऐसे दौर में जब दर्शक मुख्य रूप से एक्शन और थ्रिलर फिल्मों की ओर रुख कर रहे हैं, 'जीडीएन' जैसी विषय-प्रधान और प्रेरणादायक जीवनीपरक फिल्म का डिजिटल मंच पर आना भारतीय सिनेमा के बदलते स्वरूप को दर्शाता है। यह फिल्म न केवल जी.डी. नायडू की वैज्ञानिक सोच और उद्यमशीलता को सम्मानित करती है, बल्कि देश की युवा पीढ़ी को नवाचार और आत्म-निर्भरता की ओर प्रेरित करने का कार्य भी करती है। 4 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर शुरू हो रहा यह सफर ओटीटी के दर्शकों के लिए एक अलग और समृद्ध सिनेमाई अनुभव प्रस्तुत करेगा।

तृषा कृष्णन ने पैनोरमा स्टूडियो से मिलाया हाथ

मनोवैज्ञानिक हॉरर की बनीं अभिनेत्री

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री तृषा कृष्णन की नई और बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। हाल ही में सूर्या के साथ फिल्म 'करुप्पू' में नजर आईं तृषा अब एक अनोखी तमिल मनोवैज्ञानिक हॉरर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म बॉलीवुड के जाने-माने प्रोडक्शन हाउस 'पैनोरमा स्टूडियोज' की तमिल सिनेमा में पहली आधिकारिक एंट्री है। पैनोरमा और लोकोमोटिव ग्लोबल का सहयोग इस बड़े बजट प्रोजेक्ट को पैनोरमा स्टूडियोज और लोकोमोटिव ग्लोबल के संयुक्त बैनर तले प्रस्तुत किया जा रहा है। फिल्म के निर्माण की कमान कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक, सुंदर आरोन, विकास शर्मा और अमित डालमिया जैसे अनुभवी निर्माताओं ने संभाली है। निर्माताओं का मानना है कि यह प्रोजेक्ट तमिल सिनेमा में एक नया मानदंड स्थापित करेगा। दिग्गज स्टार कास्ट और शूटिंग का आगाजफिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसकी शूटिंग लंदन की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशंस पर शुरू की जा चुकी है। इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी स्टार कास्ट है। तृषा के साथ इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में दक्षिण भारतीय सिनेमा की वरिष्ठ अभिनेत्री राधिका सरथकुमार और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री अपर्णा बालमुरली भी महत्वपूर्ण और मजबूत भूमिकाओं में नजर आएंगी। यह महिला-केंद्रित फिल्म तीन अलग-अलग पीढ़ियों की प्रतिभावान अभिनेत्रियों को एक साथ लाती है। राजा कृष्ण मेनन का तमिल डेब्यू फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी राजा कृष्ण मेनन को सौंपी गई है, जिन्होंने 'एयरलिफ्ट', 'शेफ' और 'पिप्पा' जैसी बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन किया है। यह राजा कृष्ण मेनन की तमिल सिनेमा में पहली फिल्म होगी। इसके साथ ही, यह पहली बार है जब वे किसी मनोवैज्ञानिक हॉरर और पूरी तरह से महिलाओं पर आधारित कहानी का निर्देशन कर रहे हैं। निर्माताओं और निर्देशक का दृष्टिकोण निर्माता कुमार मंगत पाठक ने साझा किया कि तमिल सिनेमा हमेशा से मौलिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कहानियों का केंद्र रहा है। वे चाहते थे कि उनकी पहली तमिल फिल्म भी इसी भावना को दर्शाए। वहीं निर्देशक राजा कृष्ण मेनन का कहना है कि यह फिल्म पारंपरिक डरावने सीन्स (जंप स्केयर्स) पर निर्भर न रहकर मानवीय भावनाओं, रहस्य और मानसिक तनाव पर गहराई से ध्यान केंद्रित करेगी। तृषा ने इससे पहले हॉरर-कॉमेडी फिल्मों में काम किया है, लेकिन एक गंभीर मनोवैज्ञानिक हॉरर में उनका यह पहला प्रयास होगा। फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

मिर्जापुर : द मूवी का धमाकेदार गाना घूम घूम रिलीज, मुन्ना भैया और रवि किशन संग थिरकीं सोनल चौहान

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपार सफलता और लोकप्रियता हासिल करने के बाद मिर्जापुर की खूंखार और रोमांचक दुनिया अब बड़े पर्दे पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के बैनर तले बनी बहुचर्चित फिल्म मिर्जापुरः द मूवी 4 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। सेंसर बोर्ड से फिल्म को ए सर्टिफिकेट भी मिल गया है। फिल्म की ग्रैंड रिलीज में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त बचा है और दर्शकों के बीच उत्सुकता चरम पर है। इसी उत्साह को और बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का नया हाई-वोल्टेज पार्टी ट्रैक घूम घूम जारी कर दिया है। नए रिलीज हुए इस स्पेशल डांस नंबर में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान का बेहद ग्लैमरस और ऊर्जावान अवतार देखने को मिल रहा है। सोनल अपने सिजलिंग डांस स्टेप्स से स्क्रीन पर आग लगाती नजर आ रही हैं। उनका साथ दे रहे हैं फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता दिव्येंदु और रवि किशन, जो गाने में सोनल के साथ थिरकते हुए महफिल लूट रहे हैं। तीनों कलाकारों का यह अनोखा अंदाज और शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री इस गाने को एक परफेक्ट कमर्शियल चार्टबस्टर बनाती है। संगीत की दृष्टि से घूम घूम गाना हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देने वाला ट्रैक है। इस धमाकेदार गाने को मशहूर गायिका राशमीत कौर और संगीतकार रे ने अपनी आवाज से सजाया है। गाने का कैची म्यूजिक रे द्वारा ही तैयार किया गया है, जबकि इसके ऊर्जावान बोल जाने-माने गीतकार कुमार ने लिखे हैं। जैसे ही मेकर्स ने सोशल मीडिया पर गाने को शेयर करते हुए 4 सितंबर की रिलीज का रिमाइंडर दिया, वैसे ही यह ट्रैक म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया रील्स पर ट्रेंड करने लगा। निर्देशक गुरमीत सिंह और लेखक पुनीत कृष्णा की यह फिल्म वेब सीरीज के प्रशंसकों के लिए एक बिल्कुल नया और अनूठा अनुभव लेकर आ रही है। इस थिएट्रिकल वर्जन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर और मोहित मलिक जैसे अनुभवी कलाकारों की फौज भी सिनेमाघरों में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरती नजर आएगी।

किच्चा सुदीप का जन्मदिन पर तोहफा, पीरियड ड्रामा फिल्म सुदीप 47 के शीर्षक का किया ऐलान, देवराय की पहली झलक आउट

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता किच्चा सुदीप ने अपने जन्मदिन के अवसर पर अपनी आगामी ऐतिहासिक फिल्म 'देवराय का शानदार पहला लुक जारी किया। फिल्म में सुदीप विजयनगर साम्राज्य के महान सम्राट श्री कृष्णदेवराय की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनके शाही अंदाज ने प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। पहले लुक में सुदीप को श्री कृष्णदेवराय के रूप में दिखाया गया है। वह सिर पर भव्य मुकुट और पारंपरिक राजसी पोशाक पहने नजर आ रहे हैं। उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व और शाही रूप फिल्म के भव्य ऐतिहासिक परिवेश की झलक देता है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है और इसमें विजयनगर साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास को पर्दे पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। श्री कृष्णदेवराय ने वर्ष 1509 से 1529 तक विजयनगर साम्राज्य पर शासन किया था। उन्हें अपनी सैन्य विजय, कुशल प्रशासन तथा साहित्य, कला और संस्कृति को संरक्षण देने के लिए जाना जाता है। उनके शासनकाल को विजयनगर साम्राज्य के सबसे समृद्ध दौर में गिना जाता है। ऐसे महान ऐतिहासिक व्यक्तित्व की भूमिका निभाना सुदीप के लिए भी एक महत्वपूर्ण चुनौती माना जा रहा है। 'देवराय का निर्माण पीपल मीडिया फैक्ट्री और सुप्रियान्वी पिक्चर स्टूडियो के सहयोग से किया जा रहा है। पीपल मीडिया फैक्ट्री इससे पहले 'कार्तिकेय 2, 'धमाका और 'ब्रो जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुकी है, जबकि सुप्रियान्वी पिक्चर स्टूडियो भी कई चर्चित परियोजनाओं से जुड़ा रहा है।

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी गौरा हरि संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि उनका संगीत फिल्म के भव्य शाही परिवेश और ऐतिहासिक माहौल को और प्रभावशाली बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। फिल्म के निर्देशक और अन्य प्रमुख कलाकारों के नाम फिलहाल सामने नहीं आए हैं। हालांकि निर्माताओं ने इसकी दिसंबर 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने की घोषणा कर दी है। कन्नड़ सिनेमा की कई सफल फिल्मों में अपने अभिनय का प्रभाव छोड़ चुके किच्चा सुदीप अब एक महान ऐतिहासिक शासक की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का बड़े पैमाने पर निर्माण, भव्य शाही दृश्य और श्री कृष्णदेवराय की गौरवशाली गाथा इसे सुदीप के करियर की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल कर रही है।

खाना बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, सेहत को होगा फायदा

खाना बनाना एक कला है, जिसमें सिर्फ तेल का इस्तेमाल ही नहीं होता। सही तरीके से खाना बनाकर हम अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने खाने को और भी सेहतमंद बना सकते हैं। इन तरीकों से आप न केवल स्वाद बढ़ा सकते हैं, बल्कि पोषण भी सुधार सकते हैं। आइए जानें कि कैसे आप रोजमर्रा की रसोई में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं। खाना बनाते समय तेल का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। ज्यादा तेल से न केवल खाने का स्वाद बिगड़ता है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। कोशिश करें कि खाना बनाते समय कम तेल का इस्तेमाल करें और उसे बार-बार न गर्म करें। इससे न केवल आपका खाना सेहतमंद रहेगा बल्कि आपके शरीर को अतिरिक्त चर्बी से भी छुटकारा मिलेगा। सही मात्रा में तेल का उपयोग करने से स्वाद और स्वास्थ्य दोनों में संतुलन बना सकते हैं। सब्जियों को भूनते समय अक्सर लोग ज्यादा तेल का इस्तेमाल करते हैं, जिससे खाना तला हुआ सा लगने लगता है और उसमें अतिरिक्त कैलोरी शामिल हो जाती है। इसकी बजाय आप सब्जियों को भूनने के लिए थोड़े पानी का उपयोग कर सकते हैं या ऐसे बर्तन में पकाएं जो चिपकता न हो। इससे न केवल कैलोरी कम होगी बल्कि सब्जियों का प्राकृतिक स्वाद भी बना रहेगा। इस तरह आपका खाना सेहतमंद और स्वादिष्ट बनेगा। मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें पौष्टिक भी बनाते हैं, लेकिन कभी-कभी ज्यादा मसाले खाने का स्वाद बिगाड़ सकते हैं और पाचन पर असर डाल सकते हैं। इसलिए मसालों का सही मिश्रण बनाना जरूरी है ताकि आपका खाना न केवल स्वादिष्ट बल्कि पौष्टिक भी हो। हल्दी, जीरा, धनिया जैसे मसालों का सही अनुपात मिलाकर इस्तेमाल करने से आपका खाना सेहतमंद बना रहेगा और पाचन पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। नमक हमारे खाने का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका अधिक उपयोग हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा नमक खाने से रक्तचाप बढ़ सकता है और दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए नमक का सही मात्रा में उपयोग करना बहुत जरूरी है। खाने में स्वाद लाने के लिए आप सेंधा नमक या काला नमक भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जो सेहत के लिए बेहतर होते हैं और स्वाद में भी अच्छे लगते हैं।

पानी का सही उपयोग करें

खाना बनाते समय पानी का सही उपयोग करना भी अहम होता है।

ज्यादा पानी इस्तेमाल करने से खाना पतला हो जाता है और उसका स्वाद भी बिगड़ जाता है। इसलिए जितना संभव हो सके उतना कम पानी इस्तेमाल करें ताकि आपका खाना पौष्टिक बना रहे। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपनी रोजमर्रा की रसोई को न केवल सेहतमंद बना सकते हैं बल्कि अपने खाने का स्वाद भी बढ़ा सकते हैं।

द पैराडाइज रिलीज़ से पहले सुर्खियों में

नानी स्टारर फिल्म द पैराडाइज अपनी रिलीज़ से पहले ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी इस फिल्म के टीज़र, पोस्टर्स और पहले गाने आया शेर को दर्शकों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अब मेकर्स फिल्म का दूसरा गाना येशा नागुला रिलीज़ करने की तैयारी में हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक रिलीज़ से पहले ही इसका क्रेज़ देखने को मिल रहा है। हाल ही में अमेरिका के डलास में आयोजित कंपोज़र अनिरुद्ध रविचंदर के कॉन्सर्ट में नानी की धमाकेदार एंट्री ने माहौल को और भी खास बना दिया। डलास में हुए अनिरुद्ध रविचंदर के कॉन्सर्ट के दौरान जैसे ही द पैराडाइज का येशा नागुला बजाया गया, वहाँ मौजूद दर्शकों में ज़बरदस्त उत्साह देखने को मिला। पहले से ही हाई-एनर्जी माहौल के बीच नानी की स्टेज पर एंट्री ने फैंस का जोश और बढ़ा दिया। नानी और अनिरुद्ध की मौजूदगी में गाने की ऊर्जा पूरे वेन्यू में महसूस की गई और ऑडियंस जमकर झूमती नज़र आई।

India on board, SCO reiterates condemnation of Iran attacks

New Delhi, Agency: Expressing deep concern over developments in "the Middle East and around Iran", SCO member-states, including India, reiterated the bloc's condemnation of military strikes on Iranian territory that resulted in numerous civilian casualties and significant damage to Iran's economy, said the Bishkek Declaration Tuesday.

India also joined other member-states in expressing condolences over the death of former Iranian supreme leader Ali Khamenei at the SCO summit in Bishkek.

This was the second time that the SCO denounced the strikes on Iran after the war started on Feb 28, the first being in an early March standalone statement that called the attacks unacceptable. India had endorsed that statement too, even though bilaterally it has not explicitly condemned the attacks on Iran the way it has the missile and drone strikes on GCC countries.

However, unlike the Tianjin Declaration last year that had condemned the June 2025 US and Israeli strikes on Iran, the Bishkek Declaration did not name the US and Israel. "Such actions violate the principles and norms of international law and the UN Charter and create serious risks to international peace and security," said the declaration. India and others backed Iran's sovereignty, advocating a resolution to the conflict solely through political and diplomatic means.

They welcomed all efforts aimed at de-escalating the situation and noted that the only possible way to ensure peace and stability in the region is a comprehensive and just settlement of the Palestinian question. PM Narendra Modi met Iranian President Masoud Pezeshkian on the margins of the SCO summit Monday and backed expansion of ties with Tehran, while the latter sought India's help to end the war. After distancing itself from a statement by SCO in June last year condemning Israel's strikes, India has signed on to joint documents by the bloc censuring the US-Israel military action against Iran. The declaration reflected a major Indian concern as it strongly condemned terrorism in all its forms, emphasised that "double standards" in the fight against terrorism are unacceptable and called on the international community to combat terrorism, including cross-border movement of terrorists.

BRIFF NEWS

Heart ablation cuts irregular beats, but may not make patients feel better

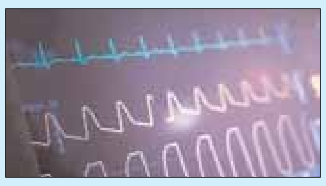

New Delhi, Agency: A procedure widely used to treat atrial fibrillation (AF), an irregular heartbeat, cuts abnormal heart-rhythm episodes but may not itself be responsible for the improvement in patients' quality of life, a new study published in The Lancet has found.

The PVI-SHAM-AF trial involved 262 patients with symptomatic AF, with 173 assigned to catheter ablation and 89 to a sham procedure. Conducted between November 2021 and November 2025, the trial found that ablation, which uses a catheter to destroy tissue causing abnormal electrical signals, did not significantly improve quality of life compared with the sham procedure. The median age was 67 years.

SC: Why not use 'totaliser' to mix votes?

New Delhi, Agency: Supreme Court Tuesday sought Centre's response to the use of a 'totaliser' mechanism to mix votes from different EVMs before counting, to prevent any backlash from candidates by preserving voter anonymity.

Petitioner advocate Ashwini Upadhyay said a totalisation system hides booth-wise voting patterns by mixing up votes from multiple electronic voting machines (typically around 14) before displaying the count, which helps protect voters from post-poll violence and political victimisation. Election Commission, through senior advocate D Seshadri Naidu, said the issue was referred by EC to govt, which consulted stakeholders and found it inadvisable to employ the 'totalisation' mechanism, mainly because of staunch opposition by political parties.

SC orders extradition of crypto accused

New Delhi, Agency: Taking note that the main accused in Rs 20,000 crore cryptocurrency fraud case is safely holed up in Dubai for more than a year after duping around 2.5 lakh investors, SC has directed Centre, CBI and Himachal govt to bring Subhash Sharma to justice by getting him extradited. A bench of Justices J B Pardiwala and K Vinod Chandran also directed attachment of all movable and immovable property of Sharma and his relatives.

An FIR was registered in the case in 2023 and Sharma fled the country but the other accused were arrested in 2025.

Granting bail to one of the accused in the case, the bench passed the order to extradite Sharma. It also requested Chief Justice of HP HC to constitute a special court to exclusively deal with this crime.

CM Vijay steps out of convoy, gifts elderly woman his Dior glasses in Tamil Nadu

New Delhi, Agency: An unexpected roadside interaction between Tamil Nadu chief minister C Joseph Vijay and an elderly woman became one of the notable moments of his visit to Mettur in Salem district on Tuesday. During the brief encounter, Vijay gifted the woman his own pair of Christian Dior sunglasses.

Vijay was in Salem to open the gates of the Mettur Dam and release water for Samba cultivation in the Cauvery Delta. News agency Media reported that after inspecting the Mettur hydroelectric power station and opening the sluice gates of the Stanley Reservoir, he made an unscheduled stop at a roadside farm while travelling towards Salem airport. According to local accounts, Vijay noticed a group of elderly women working in the fields and stepped out of his vehicle to meet them.

Chellam, an elderly resident of the area, walked towards the chief minister and held his hand. "He asked me if I had eaten," Chellam recalled. I told him I hadn't, because I was waiting to see him first. During the interaction, Vijay asked her name and enquired about her well-being before walking with her around the garden and the nearby cattle shed belonging to local farmer Palanisamy.

Chellam said the chief minister then offered her the sunglasses he was carrying. She later appeared in the oversized frames, walking beside Vijay with her hand on his arm and waving to people gathered along the route as he led her through the crowd.

"I was surprised when he came and stood next to me. I told him how happy I was to see him, and he gifted me these sunglasses," she told Media.

PM Modi repeats call to 'shun unnecessary gold buys, foreign weddings & holidays'

New Delhi, Agency: Buoyed by the better-than-expected GDP growth, PM Modi on Tuesday lauded Indian economy's resilience during a period of global crises. He again pushed for swadeshi goods and urged citizens to shun overseas weddings, foreign vacations and avoid unnecessary gold purchases at a time when imports remain elevated due to high commodity prices in the wake of the West Asia conflict.

His appeal against buying gold also puts to rest speculation around import duties being reviewed by govt. In fact, Centre and RBI are keeping a close watch on shipments. Since Jan, both quantity of gold and value of imports have increased. Since Modi's first appeal in May, however, there has been a drop in quantity of imports but the value of imports is rising due to higher prices, albeit at a slower pace. At $3.5 a kg, the unit value of gold was 94% higher in June, but prices have moderated to $2.8 a kg, which was 47% more than a year ago.

Since Modi's first appeal in May, gold import quantity has dropped, but import value is rising due to higher prices, albeit slower. Prices moderated to $2.8 a kg, 47% more than a year ago. While gold remains an investment option for households, higher prices have deterred consumers from buying large quantities, with recycling of old jewellery also rising, industry executives said.

Modi also mounted a withering attack on LoP Rahul Gandhi for spreading pessimism about growth, dismissing his criticism as "jhooth ki goonj". This was Modi's second reaction to the growth rate within 24 hours. His message mixed praise for people's hard work with disdain for critics like Rahul and reiterated his call to citizens to avoid non-essential gold purchases and foreign trips.

"We have to maintain this pace and keep growing and, for this, aatmanirbhar Bharat is essential," he said in a selfie-video posted on Instagram.

GDP grew at 7.8% in the April-June quarter, bringing relief to the NDA govt, which has been buffeted by the opposition parties, especially Congress under Rahul, over alleged misgovernance.

Changes in pre- and post-SIR voter lists prove poll theft by BJP: Rahul

New Delhi, Agency: Citing huge variations in the pre- and post-SIR voter lists, Congress MP Rahul Gandhi said the draft in Maharashtra and the revised Bengal lists prove his allegation that elections in those states were stolen by BJP.

Dubbing Election Commission "vote chori commission", Rahul said EC and BJP keep changing their tactics but their sole objective is "BJP's victory at any cost, and the end of democracy."

Congress president Mallikarjun Kharge said EC included a large number of voters ahead of the assembly elections in Delhi, and has now dropped over 47 lakh voters from the draft list while preparing to send notices to over 30 lakh more. "Congress workers are facing manipulations daily in Telangana and Karnataka as well," he said.

Rahul said in Maharashtra, 39 lakh new voters were added between the Lok Sabha and Vidhan Sabha elections in 2024. "... Now in Maharashtra, 2.1 crore voters have been removed from the draft list - that's every fifth voter. Lok Sabha 2024: 9.3 crore, Vidhan Sabha 2024: 9.7 crore, SIR 2026: 7.8 crore. Which list was correct?" he asked. Rahul said in Bengal, 91% of all the names removed from the voters' list after SIR ahead of the 2026 assembly polls has been reinstated. "That means 9 out of every 10 names were wrongly deleted, and added back only after the election... This was vote theft."

Publicity Chariots Flagged Off Across East Champaran Ahead of National Lok Adalat

Up to 50% Rebate on Traffic Challans, Loan Settlement Benefits to Be Highlighted in Awareness Drive

Sagar Suraj

MOTIHARI: More than 10 publicity chariots were flagged off in Motihari on Thursday as part of an extensive awareness campaign for the upcoming National Lok Adalat scheduled for September 12, 2026. The campaign, being conducted by the District Legal Services Authority (DLSA), East Champaran, aims to take information about the Lok Adalat to people across the district and encourage the speedy settlement of eligible disputes through mutual consent and compromise.

Principal District and Sessions Judge-cum-Chairman, DLSA, Abhishek Kumar Das, flagged off the publicity chariots at around 10 am on Thursday. Chief Judicial Magistrate Punit Kumar Tiwari, Special Judge Kamlesh Chandra Mishra, ADJ Raj Vijay Singh, Principal Judge, Family Court Israr Ahmad, and other judicial officers were present on the occasion.

Officials from various banks, including Central Bank LDM K.M. Singh, also attended the programme.

DLSA Secretary Nitin Tripathi said the publicity chariots would travel through different parts of East Champaran to educate people about the benefits of the National Lok Adalat and encourage litigants to settle their cases quickly through mutual agreement.

A key feature being highlighted in the campaign is the provision of up to 50 per cent rebate on eligible pending traffic challans through the Lok Adalat. People with pending challans have been urged to take advantage of the opportunity and get their cases settled through the prescribed legal process.

Meanwhile, a similar awareness initiative was launched in Areraj subdivision, where publicity vehicles were flagged off from the Sub-Divisional Civil Court premises. Taluka Legal Services Committee Chairman Vimal Kumar, Sub-Judge-III Upendra Sah and Committee Secretary Vaibhav Kumar jointly flagged off the vehicles.

The Areraj campaign, undertaken in accordance with the directions of the Bihar State Legal Services Authority, will cover different blocks, gram panchayats and remote rural areas of the subdivision. The vehicles will spread information about the date, significance and benefits of the National Lok Adalat among people living in distant areas.

Officials said the Lok Adalat would provide an opportunity for borrowers whose bank accounts have become NPA or whose loan instalments are overdue to sit with bank officials and explore settlement of their outstanding loans under One-Time Settlement (OTS) schemes, wherever applicable. Eligible borrowers may approach their concerned bank or the Legal Services Authority to enquire about available settlement benefits.

The publicity campaign will also focus on the fact that eligible matters settled through the Lok Adalat do not involve court fees and that awards passed on the basis of mutual settlement are final and binding as provided under law.

The National Lok Adalat will deal with various compoundable and settlement-oriented matters, including bank loan and recovery cases, cheque-bounce cases, family disputes, motor accident claim cases and other eligible disputes.

At Areraj, court staff including Nazir Amit Kumar, Manoj Yadav, Sushil Kumar and Shantanu were present. Advocates Anil Tiwari, Ajit Kumar Singh and Ashutosh Mishra also participated in the programme and assured their cooperation for the successful conduct of the National Lok Adalat.

Officials appealed to the public to make maximum use of the National Lok Adalat and seek a simple, speedy and amicable settlement of eligible disputes rather than allowing them to remain pending for years.